हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार, 8 अप्रैल 2024

12 कचरा लिफ्टिंग मामले में प्रति महीना लाखों रुपये का हो रहा है गड़बड़झाला

12 मैक्स संस्कार स्कूल में स्वास्थ्य शिविर

खबर संक्षेप

तूड़ी से भरी पिकअप जब्त, चालक पर केस दर्ज

ओढां। ओढां थाना पुलिस ने गांव ओढां से तूड़ी से भरी एक पिकअप को जब्त किया है। आरोपी के खिलाफ लोगों की जान जोखिम में डालने के आरोप में केस दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी अनिल कुमार ने बताया कि पुलिस गश्त पर थी कि इसी दौरान गांव ओढां में कालांवाली रोड पर सरकारी अस्पताल के समीप तूड़े से भरी एक पिकअप सड़क पर खड़ी थी और चालक नीचे उतरा हुआ था।

दो उदघोषित अपराधी काबू

डबवाली। शहर थाना डबवाली पुलिस ने दो उदघोषित अपराधियों को गिरफ्तार किया है। शहर थाना प्रभारी शैलेंद्र कुमार ने बताया कि बताया कि पकड़े गए पी.ओ. की पहचान सेवक सिंह निवासी अलीकां व हरजीत सिंह निवासी जोईया जिला मानसा पंजाब के रूप में हुई है। उल्लेखनीय है कि आरोपी सेवक सिंह जो अदालत से एनआईटी एक्ट में भगौड़ा घोषित था और उसके खिलाफ थाना शहर डबवाली में मामला दर्ज है।

दुकान के बाहर से बाइक चोरी

सिरसा। शहर के बरनाला रोड पर एक दुकान के बाहर खड़ा मोटरसाइकिल चोरी हो गया। पुलिस को दी शिकायत में कंगनपुर निवासी मुकेश ने बताया कि वह शाम को बरनाला रोड पर फूड बॉक्स की दुकान से ऑर्डर लेने के लिए आया था। बाइक बाहर खड़ी कर वह अंदर चला गया। कुछ देर बाद आया तो मोटरसाइकिल गायब मिला। अपने स्तर पर आसपास के लोगों से पूछताछ की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया।

गांव रहनखेड़ी से एक व्यक्ति लापता

फतेहाबाद। भूना के गांव रहनखेड़ी से एक व्यक्ति के लापता होने का समाचार है। इस बारे उसके लड़के ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस को दी शिकायत में गांव रहनखेड़ी निवासी शीत कुमार ने कहा है कि उसके पिता रघबीर राम शराब का नशा करते हैं। 18 मार्च को सुबह करीब 6 बजे बिना बताए घर से चले गए थे और अब तक वापस घर नहीं लौटी है।

भाविप फतेहाबाद शाखा का हुआ विस्तार

फतेहाबाद। भारत विकास परिषद फतेहाबाद शाखा की बैठक माजरा रोड स्थित बागबां में हुई। इस बैठक की अध्यक्षता फतेहाबाद शाखा अध्यक्ष अंकित शर्मा ने की। इस बैठक में शाखा अध्यक्ष अंकित शर्मा ने कार्यकारिणी का विस्तार किया। इसके तहत सर्वसम्मति से अंजू गांधी गिरधर को उपाध्यक्ष सेवा, ललित मेहता को उपाध्यक्ष संपर्क और संदीप बंसल को उपाध्यक्ष संस्कार, अमित रुखाया और सुरेंद्र शर्मा को सहसचिव, लवलीन सरदाना को महिला प्रमुख, रेखा जिंदल और नीतू जैन को सह महिला प्रमुख, उमेश गुप्ता को प्रेस सचिव एवं ललित मेहता टुटेजा को संगठन सचिव नियुक्त किया गया।

युवक पर हमला कर सोने की अंगूठी व नकदी छीनी

फतेहाबाद। टोहाना शहर की सब्जी मण्डी में कुछ युवकों द्वारा कार सवार पर हमला कर उससे मारपीट करने और सोने की अंगूठी व नकदी छीनने का मामला सामने आया है। हमले में घायल युवक को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में टोहाना के गांव पूर्ण माजरा निवासी जोरावर सिंह ने कहा है कि शनिवार दोपहर को वह अपनी कार में सवार होकर सब्जी लेने के लिए टोहाना की सब्जी मंडी में आया था।

व्यापार मंडल आज मिलेगा डीसी से, मांगें पूरी न होने पर मंडी बंद की चेतावनी

फतेहाबाद में इस बार डीएफएससी और एफसीआई नहीं करेंगी गेहूं की खरीद

सरकार की ओर से हर बार 4 खरीद एजेंसियां गेहूं की खरीद करती है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सुरेन्द्र असीजा

फतेहाबाद की अनाज मण्डी में इस बार गेहूं की खरीद डीएफसी और एफसीआई नहीं करेंगी। प्रदेश सरकार की ओर से हर बार 4 खरीद एजेंसियां गेहूं की खरीद करती है। फतेहाबाद मण्डी में डीएफसी व एफसीआई द्वारा गेहूं खरीद न करने से अनाज मण्डी व्यापार मंडल में खासा रोष है। व्यापार मंडल इस मामले को लेकर विधायक से मिला था। इसी मांग को लेकर व्यापार मंडल आज उपायुक्त से मिलेगा और 11 अप्रैल को सीएम से भी मिलेगा। व्यापार मंडल के प्रधान जगदीश भादू के अनुसार फिर भी उनकी मांग नहीं मानी गई तो मण्डी को बंद कर दिया जाएगा।

प्रदेश में गेहूं की खरीद के लिए फूड एंड सप्लाई, हैफेड, एफसीआई व हरियाणा वेयर हाऊस द्वारा की जाती है। यही खरीद एजेंसियां आढ़तियों को बारदाना देकर गेहूं का उठान करती हैं और पैमेंट भी इन्हीं एजेंसियों द्वारा किसानों के खाते में डाली जाती है। जिले में प्रत्येक एजेंसी के खरीद के दिन निर्धारित हैं। जिले में 45 खरीद केन्द्रों व 7 अनाज मंडियों में अलग-अलग दिन अलग-अलग एजेंसियां गेहूं की खरीद करती हैं। इस बार फतेहाबाद अनाज मण्डी में सोमवार, बुधवार व शुक्रवार को हैफेड व मंगलवार, वीरवार व शनिवार को हरियाणा वेयर हाऊस गेहूं की खरीद करेगी। इस बार खाद्य आपूर्ति विभाग व एफसीआई फतेहाबाद में गेहूं की खरीद नहीं कर रही। इसको लेकर अनाज मण्डी के व्यापारियों में काफी रोष है।

फतेहाबाद। अनाज मण्डी का गेट।

फतेहाबाद मंडी में गेहूं की खरीद नहीं की जा रही

इस बार डीएफएससी एजेंसी द्वारा फतेहाबाद मंडी में गेहूं की खरीद नहीं की जा रही। इस कारण व्यापारियों को दिक्कत आएगी। दरअसल डीएफएससी का गांव ढांड में अपना 14 लाख बोरी का गोदाम है जबकि हैफेड और वेयर हाऊस के पास केवल डेढ़-डेढ़ लाख बोरी का ही गोदाम है। ऐसे में गेहूं उठान में दिक्कत आएगी। गेहूं का सीजन एकदम आता है। ऐसे में व्यापारियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। वह इस मामले में विधायक से मिले थे और आज डीसी से भी मिलेंगे। फिर भी उनकी मांग नहीं मानी गई तो 11 अप्रैल को सीएम के फतेहाबाद आगमन पर उनके सामने इस मामले को उठाया जाएगा। फिर भी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो अनाज मण्डी को बंद कर गेहूं खरीद नहीं की जाएगी।

-जगदीश भादू, प्रधान व्यापार मंडल अनाज मण्डी, फतेहाबाद।

किसान के खाते में सीधे जाएगी पैमेंट

केन्द्र सरकार ने इस बार गेहूं की खरीद का समर्थन मूल्य 2275 रुपये प्रति क्विंटल तय किया है। हालांकि बाजार में इसके भाव ज्यादा रहने की संभावना बनी हुई है। इस बार भी खरीद एजेन्सियां गेहूं का भुगतान सीधा किसान के खाते में करेगी। किसान को 72 घंटे के भीतर गेहूं का भुगतान करने के दावे किए गए हैं। मार्किट कमेटी सचिव का कहना है कि 12 फीसदी से अधिक नमी वाली गेहूं की खरीद नहीं की जाएगी।

58 हजार किसानों ने ही करवाया है पंजीकरण

जिले में इस समय 58 हजार 268 किसानों ने मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर गेहूं व सरसों का पंजीकरण करवा रखा है। बता दें कि जिले में 80 हजार किसान है। अन्य किसानों द्वारा पंजीकरण न करवाने से उन्हें फसल बेचने में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। सरकार ने ऐलान किया है कि केवल उन्हीं किसानों की फसल खरीदी जाएगी जिनका पंजीकरण मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर दर्ज है।

फतेहाबाद में दो एजेंसियां गेहूं की खरीद करेंगी

फतेहाबाद में दो एजेंसियां गेहूं की खरीद करेंगी। फतेहाबाद अनाज मण्डी में जितनी गेहूं आती हैं, उसके लिए यह एजेंसियां सक्षम हैं। खरीद में कोई दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। हर तरफ से गेहूं खरीद की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जब तक गेहूं की पूरी खरीद नहीं हो जाती, मण्डी में कोई छुट्टी नहीं रहेगी। किसानों को गेहूं लिफ्टिंग के 72 घंटे के अंदर भुगतान कर दिया जाएगा।

-विनीत जैन, डीएफएससी फतेहाबाद

गेहूं आने में अभी कुछ दिन शेष

मण्डी में शौचालय, पेयजल की व्यवस्था हो चुकी है। अभी गेहूं आने में अभी कुछ दिन शेष है। ऐसे में कोई कमी रह गई है तो उसे भी दूर कर दिया जाएगा।

-यशपाल मेहता, सचिव मार्किट कमेटी फतेहाबाद

बीईओ द्वारा शिक्षकों को मारने सम्बंधी ब्यान पर मचा बवाल

■ शिक्षकों के तीन संगठन आज देंगे धरना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

फतेहाबाद के खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा प्राथमिक शिक्षकों को 'मारने' सम्बंधी दिए गए ब्यान पर जमकर बवाल मचा हुआ है। शिक्षकों के तीन प्रमुख संगठनों राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ, हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ व हरियाणा मास्टर वर्ग एसोसिएशन ने अधिकारी के इस ब्यान की कड़े शब्दों में निंदा की है। संगठनों का कहना है कि ऐसे अधिकारी को तुरंत शिक्षक वर्ग से माफी मांगनी चाहिए। इस ब्यान पर अधिकारी से जवाब तलब करने को लेकर तीनों शिक्षक संगठनों द्वारा सोमवार 8 अप्रैल को दोपहर 3 फतेहाबाद में खंड शिक्षा अधिकारी फतेहाबाद के कार्यालय पर धरना दिया जाएगा।

राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला प्रधान विकास टुटेजा ने बताया कि तीन दिन पहले फतेहाबाद के खंड शिक्षा अधिकारी महेन्द्र सिंह श्योराण द्वारा नामांकन अभियान व सरकारी स्कूलों में ज्यादा से ज्यादा बच्चों का एडमिशन करवाने को लेकर पहले प्राइमरी स्कूलों के मुखिया व दोपहर को मिडल हैड की मीटिंग ली थी। इस बैठक में अधिकारी द्वारा प्राथमिक शिक्षकों को लेकर असभ्य भाषा का प्रयोग करते हुए कहा कि विभाग में कुछ टीचर इतने निकम्मे हैं कि उन्हें परमिशन मिल जाए तो रोज पांच टीचरों को मार दूं और कुल 50 टीचर को मार दूं तो उनका ब्लाक सही हो जाएगा। विकास टुटेजा ने कहा कि शिक्षा विभाग में एक उच्च पद पर रहते हुए अधिकारी द्वारा इस तरह का ब्यान किसी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि आज सरकारी स्कूलों के शिक्षक दिन-रात मेहनत कर स्कूलों में अधिक से अधिक बच्चों का दाखिला करवाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। इन्हीं शिक्षकों की मेहनत की बदौलत सरकारी स्कूलों में शिक्षा के स्तर में काफी सुधार आया है और दिनों-दिन विद्यार्थियों की संख्या भी बढ़ रही है लेकिन अधिकारी ने इन शिक्षकों की मेहनत को सराहने की बजाय उन्हें मारने जैसे ब्यान साबित करता है कि अधिकारी अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं।

इनरोलमेंट को लेकर अध्यापकों की मीटिंग ली

इस बारे जब खंड शिक्षा अधिकारी महेन्द्र सिंह श्योराण से बात की गई तो उन्होंने कहा कि उन्होंने प्रवेश उत्सव मनाने और इनरोलमेंट को लेकर अध्यापकों की मीटिंग ली थी। इस मीटिंग में उन्होंने अध्यापकों को मोटिवेट करते हुए ज्यादा से ज्यादा इनरोलमेंट करने और दिए गए टारगेट को पूरा करने को लेकर निर्देश दिए थे। अध्यापकों को मारने सम्बंधी उन्होंने कोई बात नहीं कही है। हमारे ब्लाक के टीचर बेहद शानदार काम कर रहे हैं और सभी टीचरों ने जल्द अपने टारगेट को पूरा करने की बात कही है।

बड़ागुढा में अर्ध सैनिक बलों ने निकाला फ्लैग मार्च

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

आगामी 25 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर पुलिस तथा अर्ध सैनिक बलों के जवानों ने बडागुढ़ा थाना प्रभारी राजेश कुमार के नेतृत्व में आज फ्लैग मार्च निकाला। मतदाताओं को 25 मई को होने वाले मतदान में बिना किसी भय व डर के निर्भिक रूप से मतदान करने तथा शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से बडागुढ़ा थाना पुलिस ने थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों से होते हुए फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च बडागुढ़ा से शुरू होकर रघुआना, आनंदगढ़, बप्पां, छतरियां, भंगू, साहूवाला, फतेहपुरिया, शेखुपुरिया तथा पंजुआना होते हुए वापस बडागुढ़ा में समापन किया। फ्लैग मार्च का नेतृत्व कर रहे बडागुढ़ा थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि पुलिस प्रशासन व सुरक्षा बलों द्वारा फ्लैग मार्च के दौरान लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया गया है। मतदाता पूरी तरह निर्भीक होकर मतदान करें। चाहे शहर हो या फिर देहात, जहां भी संवेदनशील मतदान केंद्र है या फिर क्षेत्र है वहां पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए जा रहे हैं तथा पूरी निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि मतदाता पूरी निडरता के साथ अपने विवेक व स्वतंत्र रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग करें।

सिरसा। बडागुढ़ा क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकालते पुलिस व अर्ध सैनिक बल।

■ आम लोगों से निर्भीक होकर मतदान करने की अपील

रतिया विधानसभा क्षेत्र में बनाए 224 मतदान केंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रतिया

सिरसा लोकसभा के अंतर्गत रतिया विधानसभा क्षेत्र में चुनाव आयोग ने आगामी चुनाव के लिए 224 मतदान बूथों की स्थापना की है ताकि मतदाता अपने मत प्रयोग कर सकें। इसके तहत शहर रतिया में सर्वाधिक 24 मतदान केंद्र (बूथ) तथा गांव पिलछियां में 2, महम्मदकी में 1, लधुवास में 2, सरदारेवाला में 2, नंगल में 3, लुटेरा में 1, बाहमनवाला में 2, रोजावाली में 1, भूदड़वास में 2, नीकूवाला में 1, महमड़ा में 2, भवानीखेड़ा में 1, बादलगढ़ में 3, बबनपुर में 2, ढाणी बबनपुर में 1, ढाणी लांबा में 1, गांव लांबा में 1, तेलीवाला में 1, कंवलगढ़ में 2, बाडा में 1, कमाना में 2, रतनगढ़ में 2, मिराना में 1, बलियाला में 2, बोडा में 1, अलावलवास में 2, खैरपुर में 1, कलौठा में 2, खाई में 1, अलीका में 3, मलवाला में 1, मढ़ में 2, अजीतनगर में 2, बीराबदी में 2, नागपुर में 4, हुकमावाली में 2, दादुपुर में 1, ढाणी दादुपुर में 1, जल्लोपुर में 2, लाली में 3, ढाणी नथवान में 1, नथवाना गांव में 1, ढाणी डिग्गी माजरा में 1, घासवा में 1, चिम्मू में 1, बुर्ज में 2, कुनाल में 2, मोहम्मदपुर सोतर में 2, चंदोकलां में 2, मुंशीवाला में 1, हमजापुर में 2, भरपुर में 1, रत्ताखेड़ा में 3, फुलां में 2, तामसपुरा में 2, जांडवाला सोत्तर में 2, हड़ौली में 3, नूरकीअली में 1, चुघे अहली में 1, चनकोठी में 1, खुम्बर में 2, खुन्डन में 2, हांसपुर में 2, भडोलावाली में 2, बहबपुर में 1, थेड़ी में 1, भट्ट खुर्द में 1, अहलीसदर में 3, हिजरावां खुर्द में 2, हरिपुरा में 1, रत्ता टिब्बा में 1, नखटिया में 1, मानकपुर में 1 बूथ बनाए गए है। इसके अलावा गांव नकटा में 1, हिजरावां कलां में 3, बनावाली में 1, मुस्से अहली में 1, दौलतपुर में 2, आकावाली में 1, ढाणी ईशर में 1, ढाणी ढाका में 1, ढाणी कारियां में 1, ढाणी चूहड़ में 1, मल्हड़ में 1, ढाणी बीजा लांबा, अयाल्की में 3, ढाणी चानचक में 1, अलीपुर बरोटा में 1, गांव अहरवां में 5, गुरूसर में 1, शहनाल में 2, सुखमनपुर में 2, ढाणी रायपुर में 11, हसंगा में 3, पालसर में 1, शेखुपुर सोत्तर में 1, रजाबाद में 1, काताखेडी में 1, बोसवाल में 1, खान मोहम्मद में 1, दरियापुर में 3, करनौली में 2, शहीदावाली में 2, कुकडावाली में 2, ढाणी चाननवाली में 1, ढाणी महताब राम में 1, खैरातीखेड़ा में 2, मानावाली में 2, भोड़ियाखेड़ा में 6, बहलभमियां में 1, भिरड़ाना में 7, झलनियां में 3, भूथनकलां में 4, भूथनखुर्द में 2 मतदान केंद्र बनाए गए है।

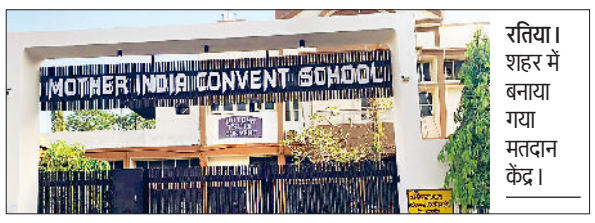

रतिया। शहर में बनाया गया मतदान केंद्र।

सिरसा। डबवाली में रोष मार्च निकालते संयुक्त किसान मोर्चाके सदस्य।

किसानों ने सरकार के खिलाफ किया प्रदर्शन

डबवाली। केंद्र सरकार के खिलाफ रोष जताते हुए संयुक्त किसान मोर्चा व मजदूर मोर्चा के आह्वान पर पर डबवाली में भाजपा सरकार का पुतला फूंका गया। इसके अलावा किसान प्रतिनिधियों द्वारा रोष-मार्च खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी के कार्यालय से निकाला गया। किसानों ने इस दौरान भाजपा की केंद्र व प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। किसान प्रतिनिधियों ने कहा कि केंद्र सरकार किसानों से किए गए वादों से मुकर गई है। इसके अलावा प्रदेश व केंद्र की सरकार दमनकारी नीति से किसानों को दबाना चाहती है। सरकार किसानों पर झूठे मुकदमे बनाकर उन्हें डरा रही है। किसान दबने वाले नहीं है। किसान प्रतिनिधियों ने कहा कि उनका आंदोलन और तेज किया जाएगा।

पुलिस नाके लगा कर चलाया सघन चैकिंग अभियान

■ चुनाव को लेकर जिला पुलिस पूरी तरह से अलर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

जिला पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने कहा कि आगामी 25 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव को पूरी तरह से निष्पक्ष व स्वतंत्र रूप से करवाना पुलिस की सवारेच्च प्राथमिकता है। चुनाव को लेकर जिला पुलिस पूरी तरह से अलर्ट है तथा जिला भर में सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए जा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक रविवार को लोकसभा चुनाव को लेकर जिला के सभी पुलिस अधिकारियों तथा थाना प्रभारियों को पूरी सतर्कता व सावधानी बरतने के निर्देश दे रहे थे। उन्होंने बताया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला पुलिस पूरी तरह से सक्षम है। जिला पुलिस तथा अर्धसैनिक बलों की ओर से जिला के विभिन्न क्षेत्रों में फ्लैग मार्च निकालकर आमजन को निर्भीक होकर मतदान करने तथा कानून व्यवस्था तथा शांति बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की जा रही है। उन्होंने बताया कि चुनाव आचार संहिता लागू होने से लेकर अब तक की 21 दिन की अवधि के दौरान जिला पुलिस की ओर से मादक पदार्थ तथा शराब तस्करों के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान गिरफ्तार किए गए लोगों के कब्जे से करोड़ों रुपए के मादक पदार्थ बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि मादक पदार्थ तथा आबकारी अधिनियम के तहत 119 मामले दर्ज कर 127 लोगों को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में मादक पदार्थ तथा अवैध शराब बरामद की गई है। मादक पदार्थ अधिनियम के तहत 19 मामले दर्ज कर 25 लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 101 किलो चूरापोस्त, 3 किलो 300 ग्राम अफीम, 278 ग्राम हैरोइन तथा 875 ग्राम गांजा बरामद किया गया है। आबकारी अधिनियम के तहत 100 मामले दर्ज कर 102 लोगों को गिरफ्तार कर 1664 बोतल अवैध शराब, 526 बोतल नाजायज शराब, 3216 बोतल अंग्रेजी शराब तथा 4335 लीटर लाहन बरामद किया गया है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पहुंचे सिरसा

सिरसा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार देर शाम को सिरसा पहुंचे और विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया। मुख्यमंत्री के सिरसा पहुंचने पर भाजपा नेताओं ने वायुसेना केंद्र में स्वागत किया। इसके बाद मुख्यमंत्री डेरा बाबा भूमणशाह में पहुंचे और संत बाबा ब्रह्मदास से आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने रानियां रोड स्थित सेतिया पैलेस में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक ली। इस मौके पर उनके साथ राज्यसभा सांसद सुभाष बराला भी मौजूद थे। सिरसा पहुंचने पर सिरसा लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी डा. अशोक तंवर, भाजपा जिलाध्यक्ष निताशा सिहाग, गोबिंद कांडा, रतन लाल बामनियां, चेयरमैन देव कुमार शर्मा आदि ने उनका स्वागत किया।

सिरसा। डेरा बाबा भूमणशाह के संत बाबा ब्रह्मदास से आशीर्वाद लेते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी।

अप्रैल माह में हनुमान जयंती सहित आएंगे 18 व्रत और त्यौहार

आज सोमवती अमावस, चैत्र नवरात्रे कल से, पूरे 9 दिन होगी मां दुर्गा की पूजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

चैत्र नवरात्रे कल मंगलवार से शुरू हो रहे हैं। नवरात्रों का समापन 17 अप्रैल को होगा। इस बार पूरे 9 दिन मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की पूजा होगी। अप्रैल का महीना व्रत त्योहारों के लिए बेहद खास है। अप्रैल महीने में कई प्रमुख व्रत त्योहार आएंगे। इस महीने में शक्ति आराधना का पर्व नवरात्रि, भगवान राम के जन्मोत्सव का दिन रामनवमी, शीतला अष्टमी और हनुमान जन्मोत्सव जैसे कई अहम व्रत-त्योहार आएंगे। इसी महीने चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तिथि से हिन्दू नव वर्ष की शुरुआत भी हो रही है। इसके साथ ही इस महीने की अमावस्या तिथि को साल का पहला सूर्य ग्रहण भी लग रहा है। अप्रैल का महीना व्रत, पर्व और पूजा अनुष्ठान के हिसाब से बेहद महत्वपूर्ण है. श्याम मंदिर फतेहाबाद के पुजारी पंडित सोनू शर्मा ने बताया कि चैत्र मास की प्रमुख त्योहार नवरात्रि है। चैत्र नवरात्रि की शुरुआत चैत्र शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होगी। चैत्र नवरात्रि 9 अप्रैल से शुरू होगी और 17 अप्रैल तक रहेगी। कलश स्थापना के लिए शुभ मुहूर्त 9 अप्रैल को दोपहर 12 बजकर 3 मिनट पर शुरू होकर दोपहर 12 बजकर 54 मिनट पर समाप्त होगा।

फतेहाबाद। त्यौहारों को लेकर सजा श्री श्याम मंदिर।

कब किस देवी की होगी पूजा

पहला नवरात्र मंगलवार, 9 अप्रैल मां शैलपुत्री की पूजा
दूसरा नवरात्र बुधवार, 10 अप्रैल मां ब्रह्मचारिणी की पूजा
तीसरा नवरात्र वीरवार, 11 अप्रैल मां चंद्रघंटा की पूजा
चौथा नवरात्र शुक्रवार, 12 अप्रैल मां कुष्मांडा की पूजा
पांचवां नवरात्र शनिवार, 13 अप्रैल मां स्कंदमाता की पूजा
छठा नवरात्र रविवार, 14 अप्रैल मां कात्यायनी की पूजा
सातवां नवरात्र सोमवार, 15 अप्रैल मां कालरात्रि की पूजा
आठवां नवरात्र मंगलवार, 16 अप्रैल मां महागौरी की पूजा
नौंवा नवरात्र बुधवार, 17 अप्रैल मां सिद्धिदात्री दुर्गा महा नवमी पूजा

अप्रैल में आने वाले त्यौहार

1 अप्रैल शीतला सप्तमी
2 अप्रैल शीतला अष्टमी, बुढ़वा मंगल पर्व
5 अप्रैल पापमोचनी एकादशी
6 अप्रैल शनि प्रदोष व्रत
7 अप्रैल मासिक शिवरात्रि व्रत
8 अप्रैल सोमवती अमावस्या
9 अप्रैल चैत्र नवरात्रि का आरंभ और गुड़ी पड़वा
10 अप्रैल झूलेलाल जयंती
11 अप्रैल गौरी पूजा, गणगौर पूजा
12 अप्रैल रोहिणी व्रत
13 अप्रैल बैसाखी पर्व
14 अप्रैल यमुना छठ
16 अप्रैल अशोक अष्टमी
17 अप्रैल राम नवमी
19 अप्रैल कामदा एकादशी
21 अप्रैल महावीर जयंती
23 अप्रैल हनुमान जयंती और चैत्र पूर्णिमा
27 अप्रैल संकष्टी गणेश चतुर्थी

राम नवमी पर यह रहेगा शुभ मुहूर्त

रामनवमी भगवान श्री राम के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है और इस दिन नवरात्रि का भी नौवां दिन होता है। पंडित सोनू शर्मा के अनुसार इस दिन घर में कन्याओं को भोजन कराने से शुभ फल प्राप्त होता है। इसके साथ ही प्रभु राम के जन्मदिन पर घर में रामायण का पाठ भी किया जाता है। उन्होंने बताया कि रामनवमी के दिन पूजा के लिए शुभ मुहूर्त सुबह 11 बजकर 03 मिनट से शुरू होकर दोपहर 1 बजकर 38 मिनट तक रहेगा।

जो मनुष्य परमात्मा का ज्ञन प्राप्त कर लेता है, वह परमात्मा का ही स्वरूप बन जाता है और इस तरह सिद्ध है कि गुरू के आसन पर मनुष्य नहीं किन्तु परमात्मा स्वयं आसीन रहते हैं।

-सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

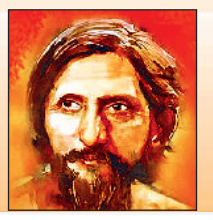

मैं जानता था कि हर आदमी को अपनी उच्च जाति का अभिमान होता है। उसे वह न तो छिपा पाता है और न ही दबा पाता है। बहुत कम लोग होते हैं जो अपनी जाति पर अभिमान नहीं करते और जातिगत भेदभाव भी नहीं करते, लेकिन यह सामाजिक विषमता जनमानस में गहरी पैठ बनाए हुए है।

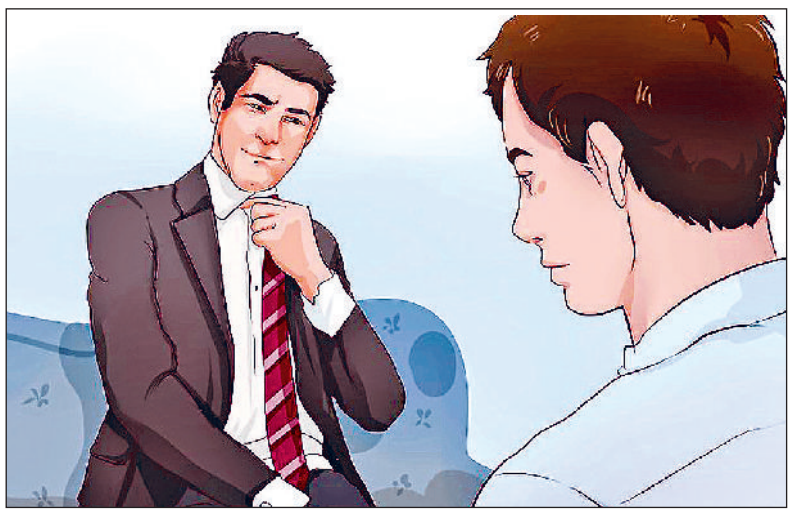

तेरी औकात मेरी औकात

कहानी | डॉ. रमेशचंद्र

उन दिनों मैं काम की तलाश में भटक रहा था। मुझे कोई काम नहीं मिल रहा था। हार कर मैंने यह तय कर लिया कि मुझे छोटा मोटा जो भी काम मिल जाएगा, मैं कर लूंगा। भूखों मरने से तो अच्छा है कि कुछ कमाकर भूख मिटाऊं। मैं पढ़ा लिखा नौजवान था, लेकिन दलित समाज का होने के कारण हर जगह से दुत्कार दिया जाता था। इस कारण ढंग का कहीं भी काम नहीं पाता था। आखिर मुझे एक भले आदमी ने काम दिया। वह काम था मज़दूरी करने का। उसके मकान का काम चल रहा था, इसलिए उसने मिस्त्री के कहने पर काम पर रख लिया। मैं मिस्त्री के अधीन काम करने लगा। उसके कहने पर ईंट तगारी में भर कर लाता और मिस्त्री को दे देता। मिस्त्री उससे दीवार बनाता। कभी कभी सीमेंट और रेती मिला कर ईंट जोड़ने का मसाला भी बनाता। मुझसे जो भी करने को कहा जाता कर देता। मेरा यह काम कुछ दिनों तक चलता रहा।

धीरे-धीरे मैं मिस्त्री का हेल्पर बन गया। फिर जब उस व्यक्ति का मकान बन गया तो मिस्त्री का काम खत्म हो गया और साथ में मेरा भी। मिस्त्री ने मुझे आश्वस्त किया कि कहीं भी उसे काम मिलेगा तो वह उसे बुला लेगा और अपने साथ काम पर रख लेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मुझे तो काम करना था कोई भी काम, इसलिए मैं किसी का सामान उठा कर रेलवे स्टेशन ले आता तो किसी का ठेला चलाकर मज़दूरी करता। इस तरह थोड़ा कमाकर अपना पेट भर लेता था, लेकिन इस तरह की छुट्टी मज़दूरी करके अपना पेट अधिक समय तक तो भर नहीं सकता था। मुझे किसी स्थायी काम की तलाश थी।

आखिर खोजबीन करने पर एक आफिस में मुझे झाड़ लगाने का काम मिल गया तो वही करने लगा। थोड़े दिन तक वह काम करता रहा फिर उस भले आदमी ने अपने घर के काम के लिए रख लिया। उसका बाज़ार से सामान लाना, आटा पिसा कर चक्की से लाना, फिर उसके बच्चे को स्कूल छोड़ने और लाने का काम करता, लेकिन पैसा उतना ही मिलता, जितना कि एक नौकर को या मज़दूर को मिलता है। काम पर रखने वाले भी पहले मेरी जाति और धर्म पूछते तभी काम पर रखते। जैसै ही मेरी जाति का पूछते मैं अपनी दलित जाति बता देता तो वे तुरंत मुझे अपने काम से हटा देते। इस तरह कितनी ही जगह से मुझे निकाल दिया गया।

आखिर बहुत भटकने के बाद एक साहब ने मुझे अपने यहां रख लिया। उनके घर के काम करता और बच्चों को स्कूल ले जाता और स्कूल से घर ले आता था। वे कलेक्टर कार्यालय में काम करते थे। एक दिन मुझसे कोई गलती हो गई तो वे साहब मुझ पर बिगड़ पड़े। अनाप शनाप बुरा भला कहने लगे। यहां तक कि उन्होंने मुझे दलित कह कर मेरा घोर अपमान किया। उनके शब्द थे- 'तेरी औकात.ही क्या है, जो हमसे आंख मिला कर बातें कर सके।'

बात आई गई हो गई। समय बदला और मैं अपनी पढ़ाई की ओर ध्यान देने लगा। मेहनत मज़दूरी करता और रात में पढ़ाई। एक मेहरबान व्यक्ति ने मुझे मार्गदर्शन दिया और मैं ग्रेजुएट हो गया, फिर पोस्ट ग्रेजुएट हो गया। फिर उन्हीं मेहरबान व्यक्ति ने मुझे पीएससी परीक्षा में बैठने और बड़ा अफसर बनने की प्रेरणा दी। मैं प्राणपण से उसमें जुट गया। पीएससी की परीक्षा के साथ साथ मैं यूपीएससी की परीक्षा में बैठा। मेरा चयन हो गया तो उन सज्जन ने मुझे शाबाशी दी और हौसला बढ़ाया। यद्यपि वे उच्च जाति के थे, किंतु उन्होंने कभी मुझे दलित नहीं समझा। उन्होंने अपने सद्व्यवहार से मुझे हर तरह से सहयोग और प्रोत्साहन दिया। बाद में मुझे आईएएस के लिए चयनित कर लिया गया। कलेक्टर के पद पर सिलेक्ट करने के बाद मुझे ट्रेनिंग के लिए भेज दिया गया। अच्छे और बुरे दिन जीवन में आते रहते हैं। मेरे बुरे और अभावों के दिन बीत चुके थे। अब मैं कलेक्टर होकर उसी जिले में पदस्थ हो गया। जहां मैं बहुत पहले एक साहब के यहां काम करता था। मैं यह बात अभी तक भूला नहीं था कि कभी उन्होंने मुझे मेरे दलित होने पर हंसी उड़ाई थी और मेरा अपमान किया था। जिस दिन मुझे कलेक्टर के पद पर ज्वाइन होना था। मैंने सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को बुलाकर उन सभी का परिचय पूछा। उनमें वह व्यक्ति भी था। वह व्यक्ति मेरे सामने हाथ बांध कर खड़ा था। उसने मुझे देखा तो उसके चेहरे पर विस्मय के भाव थे। सबके साथ उसने भी अपना परिचय दिया था। वह मन ही मन घबरा भी रहा था कि साहब अब पता नहीं उसके साथ क्या करेंगे। अनिष्ट की आशंका से वह डर भी रहा था ऐसा मैंने महसूस किया था। मैं सबको देखने और परिचय लेने के बाद उनको जाने दिया और अपने काम में जुट गया। दूसरे दिन वह व्यक्ति मेरे चैम्बर में आया। प्यून ने मुझे भीतर आकर बोला 'सर, आपसे मिलने के लिए शर्मा बाबूजी आना चाहते हैं!'

मैंने उसकी ओर देख कर पूछा 'कौन शर्मा बाबू..!' तब उसने शर्मा बाबू के बारे में बताया। मैं समझ गया कि यह वही शर्मा बाबू होगा, जिसके यहां मैं नौकर था। मैंने प्यून से कहा 'भेज दो उसको..!'

शर्मा बाबू आया और सीधा मेरे पैरों में झुक गया। मैंने उसे देखा यह वही व्यक्ति था। उसे उठाते हुए मैंने कहा- 'अरे, ये क्या कर रहे हो।'

वह बोला 'सर मुझे क्षमा कर दीजिए। मैंने अपने घमंड में आकर आपको उस समय भला बुरा कह कर अपमानित किया था। मुझे इस बात का बहुत पछतावा हो रहा है। मुझे अब ऐहसास हो गया कि औकात क्या होती है। मुझे क्षमा कर दीजिए सर..!' कह कर वह गिड़गिड़ाने लगा।

मेरे मन में उसके प्रति कोई दुर्भावना नहीं थी। मैंने उसे समझाते हुए कहा- 'देखो, उस समय तुमने जो कहा था वह उस समय की बात थी। अब उस बात को भूल जाओ। अपने मन में पछतावे का भाव भूल कर अपने काम पर ध्यान दो। मुझे तुमसे कोई शिकायत नहीं है।'

यह सुन कर शर्मा बाबू के चेहरे पर मुस्कुराहट आ गई। वह बोला - 'सर आपने मुझे क्षमा कर दिया। सचमुच आप ग्रेट हैं।'

मैं केवल मुस्कुरा भर दिया। जानता था कि हर आदमी को अपनी उच्च जाति का अभिमान होता है। उसे वह न तो छिपा पाता है और न ही दबा पाता है। बहुत कम लोग होते हैं जो अपनी जाति पर अभिमान भी नहीं करते और जातिगत भेदभाव भी नहीं करते, लेकिन यह इस सामाजिक विषमता भारतीय जनमानस में बहुत गहरी पैठ बनाए हुए हैं। इसके समाप्त होने में अभी काफी समय लगेगा।

शर्मा बाबू मेरे चैम्बर से चला गया, लेकिन एक प्रश्नचिह्न छोड़ गया कि आदमी की औकात क्या होती है। मैं सोचने लगा यदि उसने उस समय मुझे मेरी औकात नहीं बताई होती तो आज मैं उसको अपनी औकात कैसे बताता..!

(लेखक वरिष्ठ साहित्यकार हैं)

लघुकथा | प्रिया देवांगन 'प्रियू'

अधूरी ख्वाहिश

मम्मी....मम्मी..... सुनिए न! क्या हुआ मेरी गुड़िया? प्रातःकाल से इतना शोर क्यों मचा रही हो? मिन्नी स्वरबद्ध होकर बोली और आकर पीछे से लिपट गई। अच्छा बताओ क्या बात है? मिन्नी बोली– 'मम्मी मेरे दिमाग में बहुत अच्छा आइडिया आया है, आज के लिए।' ओह! ऐसा आज कुछ खास दिन है क्या? मिन्नी अपनी आँखें बड़ी–बड़ी कर हैरान नज़रों से मम्मी को देखने लगी; तभी किचन में पापा जी भी आ गए और दोनों से पूछने लगे- 'क्या बात है? माँ–बेटी में क्या खुसुर–फुसुर हो रही है भई....!' पापा जी थोड़ा मजाकिया अंदाज में बोले। नहीं... नहीं...ऐसी कोई बात नहीं है पापाजी कह कर मिन्नी किचन से चली गई। पापा जी के ऑफिस जाने के बाद मिन्नी बोली 'क्या मम्मी आप भी न..!' ऐसा बोलते ही शांत बैठ गई। ओहहो! ठीक है बाबा बताओ 'क्या–क्या करना है?' मिन्नी ने अपनी मम्मी को पूरी योजना बताई। मम्मी बहुत खुश हुई और बोली एक बिटिया ही तो होती है, अपने पापा के जीवन में हर छोटा–बड़ा सपना को साकार करने में लगी रहती है और बिल्कुल माँ जैसा ख्याल भी रखती है, भाव–विभोर हो मम्मी की आँखें भर आईं। शाम होते ही पापा जी ऑफिस से घर लौटे, थोड़ी देर बाद मिन्नी पापा जी से बोली- 'पापा जी चलिए न मेरे कमरे में!' क्यों? पापा जी बोले। ऐसे ही....कुछ दिखाना है आपको। अच्छा चलो; मम्मी पापा और मिन्नी तीनों कमरे में गए। कमरे में अंधेरा था। 'बिटिया लाइट तो जलाओ।' 'धैर्य रखिए बाबा....। इतनी भी क्या जल्दी है!' मिन्नी पापा की लाडली जो थी। 'ओके बिटिया...।' लाइट जलाते ही पापा जी विस्मित भाव से देखने लगे। सहसा फूलों की वर्षा होने लगी, छोटे–छोटे लाइट जुगनुओं की तरह चमकने लगे, नीचे धरती पर मखमली घास बिछी थी, कोयल के सुमधुर आवाज की तरह धीमे स्वर में गाना चल रहा था, एक प्यार का नगमा है..! टी–टेबल में बहुत सारी मिठाइयाँ, फल–फूल, केक वगैरह.... वगैरह..? केक कट करते ही मिन्नी पापा जी को एक गिफ्ट पैकिंग आहिस्ता से खोलने के लिए बोली। पापा जी भी मुस्कुराते हुए आहिस्ता–आहिस्ता खोलने लगे। खोलते ही उनकी आँखें नम हो गईं और मिन्नी को गले से लगा लिया। पिता, बेटी को प्यार भरी नज़रों से देखने लगे। उन्होंने देखा पापा की एक फेवरेट लैपटॉप उनके सामने रखी हुई है। जिसकी पापा जी को बरसों से अभिलाषा थी। बेटा ये लैपटॉप!! 'ना...ना...पापा जी कुछ न कहिए ये आपके बहुत काम की है, आप दिन–रात, जाग–जाग कर मोबाइल में ही अपनी कविताएं टाइप करते रहते हैं। सो..... मैंने और मम्मी ने सोचा क्यों न पापा जी को सरप्राइज दे दें।' पापा जी बोले 'आज मेरी बेटी इतनी बड़ी हो गई की पापा की ख्वाहिश पूरी कर रही है!' मिन्नी बोली हैप्पी बर्थडे पापा, हैप्पी बर्थ डे माई डियर पापा जी...! तभी कानों में मम्मी की आवाज सुनाई देने लगी। मिन्नी अरी ओ गुड़िया, उठो! बेटा भोर हो गई। कितनी देर तक सोएगी? मिन्नी की आँखें खुलीं, चहुँओर सन्नाटा छाया था। जो कुछ भी हुआ एक स्वप्न था। मिन्नी, मम्मी को गले लगाती हुई अपने पापा को याद कर सिसकियाँ भर–भर कर रोने लगी।

कविता | पूजा गुप्ता

कुछ छोरियां

कुछ छोरियां...
नीरनिधि से निकली,
अमृत कुंभ होती हैं।
जहां भी छलक जाती हैं..
पुण्यस्थान बना देती हैं।

कुछ छोरियां.....
ब्रह्ममुहूर्त की रक्तिम आभा जैसी।
साथ होती है तो....
नई संभावनाओं को जन्म देती है,
राह को रोशनी कर देती है।

कुछ छोरियां अमरबेल होती है...
आलिंगनबद्ध कर लेती है।
पतझड़ हो या मधुऋतु....
हर पल साथ निभाती है।

कुछ छोरियां....
मधुर संगीत होती है।
छू लेती है मन को,
याद आती है बरसों।

कुछ छोरियां...
अमृत फल होती है।
बिखरा देती है रूप सुगंध...
चंचल कर देती है अंतर्मन।

दोहे | अरुण कुमार कैहरबा

पर्यावरण के दूत

पर्यावरण की दूत है, जीवन का सम्मान।
गौरैया जो बची रही, इसमें सबका मान।।

प्यारे-प्यारे गीत हैं, चीं-चीं-चीं का गान।
उसके नर्तन पर करे, आंगन भी अभिमान।।

नन्हीं है आकार में, फिर भी बहुत महान।
इसके होने से रहती है पर्यावरण में जान।।

फसल उगाकर खेत में, इतराता इन्सान।
खाकर जिसे गौरया, हो गई लहुलुहान।।

जहर हवा में घुल रहा, हुआ फूहड़ शोर।
कैसे बचेंगे ऐसे में, गौरया और मोर।।

गौरैया जो ना रही, बचेगा नहीं इन्सान।
इन्सां ही कहलाएगा, सबसे बड़ा हैवान।।

आओ पुराने दौर को, फिर से करें साकार।
प्रकृति व पर्यावरण से, सबको ही हो प्यार।।

धरती व आकाश में, पंछी करें किलोल।
गौरैया के गान पर, सब नाचें दिल खोल।।

लघुकथा | गोविन्द भारद्वाज

गृहस्थी का रथ

दिव्या तुम बड़े परिवार की इकलौती बेटी हो...भला तुम्हारे लिए रिश्ते की कोई कमी होगी...एक से बढ़कर एक रिश्ते आएंगे तेरे लिए। माँ ने दिव्यांग बेटी को समझाते हुए कहा।

'लेकिन माँ मैं सिर्फ ऐसे लड़के से शादी करूँगी...जो मेरे जैसा ही हो...वो भी दिव्यांग की श्रेणी में आता हो।' दिव्या ने स्पष्ट शब्दों में कहा।

'बेटी! ये क्या कह रही है तू?' मां ने आश्चर्य से पूछा।

'माँ मैं बिल्कुल ठीक कह रही हूँ, अगर मैं और मेरा पति एक जैसे होंगे..तो हम दोनों के बीच अक्षमता को लेकर कोई कुटिल विचार नहीं आएंगे। एक-दूसरे की भावनाओं को समझ सकेंगे।' दिव्या बोली।

तभी पड़ौस के घर से जोर-जोर से आवाजें आने लगी। 'देखो मैंने तुम से शादी करके तुम पर अहसान किया है...तुमने अपनी सूरत आइने में देखी है कभी।' पड़ौसी रोहित अपनी पत्नी पर चिल्लाते हुए कहा रहा था।

'हाँ...हाँ..मैं नहीं हूँ, तुम जितनी सुंदर, लेकिन मेरे बाप ने भी तुम्हें मुंह माँगी रकम दी थी, हरे-हरे नोटों के सामने तुम्हारी खूबसूरती फीकी पड़ गई थी, मेरे सामने।' रोहित की पत्नी ने भी पलट कर जवाब दिया।

दिव्या बोली, 'देख लिया न....अपने पड़ौस का हाल..क्या अब भी तुम।'

'ना मेरी बच्ची...तू जो कह रही है... बिल्कुल ठीक है। गृहस्थी के रथ के दोनों पहिए बराबर होने चाहिए।' माँ ने बेटी को गले लगाते हुए कहा।

कविता | लवली आनंद

कैसे पी मन भाऊ री

पियर शरीर मोरा लाज से होइहे,
कैसे पी घर जाऊ री.....
देह मिलते सब बिसर गाई मन,
देह त्यागें डर लागे री.....1

लगी दामन में सौ रंग दाग के
अब कौन जतन से छुड़ाऊं री.....
हे सखी मोरा मन धक-धक होइहे,
कैसे पिया से नयन मिलाऊ री...

काम,क्रोध,लोभ,माया सखी जे होइहें,
फिर कैसे पी मन बस जाऊ री....
सुनु सखी मोरा पिया रुसल होइहें,
अब कौन से राग मैं गाऊँ री.....

सब रंग पटिया शरीर जे होइहें,
तो कृष्ण रंग कैसे मैं जानु री...
जो कृष्ण रंग मैं देखन होइहें,
फिर मोहे कोई और रंग न भायो री.

युवा पीढ़ी के लिए वही सच है, जो दिखाया जा रहा है। आजकल की युवा पीढ़ी में साहित्य, लोक कला व संगीत में रुचि नहीं है, ऐसा भी नहीं लगता, बल्कि सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर प्रदर्शनों की आई बाढ़ से उनमें संयम की कमी नज़र आती है। हमारे पौराणिक ग्रंथों की बातों को यदि रुचिकर माध्यम से युवाओं तक पहुँचाया जाए, तो सुधार की संभावना है।

साक्षात्कार | ओ.पी. पाल

युवा पीढ़ी की साहित्य और लोक कला में रुचि नहीं : डॉ. डेजी

साहित्य जगत में हरेक लेखक, साहित्यकार, कवि और लोक कलाकार अपनी संस्कृति एवं परंपरा को जीवंत रखने के लिए साहित्य संवर्धन करता आ रहा है। ऐसे ही साहित्यकारों में महिला साहित्यकार डा. डेजी 'मुदिता' ने एक शिक्षाविद् होने के बावजूद काव्य और लोक साहित्य लेखन के माध्यम से सामाजिक जीवन में अनसुलझी पहेलियों और समस्याओं को उजागर किया है। यही नहीं अंग्रेजी भाषा शिक्षण और महिला अध्ययन में उन्हें महारत हासिल है, जिसमें उनके राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोधपत्र भी प्रस्तुत हो चुके हैं। भारत-एशिया अध्ययन केंद्र और शिक्षण संस्थान केंद्र में लंबे समय तक सेवारत रही द्विभाषी कवयित्री, लेखिका और अनुवादिका एवं गर्ल्स कॉलेज, भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां(सोनीपत) में अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डा. डेजी 'मुदिता' ने अपने लेखन के सफर को लेकर हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत के दौरान अनछुए पहलुओं को उजागर किया है, उससे जाहिर है कि वह महिला सशक्तिकरण के प्रति समर्पित हैं। डेजी का जन्म 28 दिसंबर 1970 को सोनीपत में एक शिक्षित परिवार में धर्मवीर सिंह व श्रीमती शांति देवी के घर में हुआ। उनके पिता सीआरए कॉलेज सोनीपत में रसायन विभागाध्यक्ष और सेवानिवृत्ति से पहले दो साल प्रिंसिपल भी रहे। वहीं उनकी माता भी सरकारी प्राथमिक विद्यालय में शिक्षिका रही। उनके दादा भी उस जमाने के गणित शिक्षक रहे। शिक्षा जगत में खुद एसोसिएट प्रोफेसर डा. डेजी मुदिता तीसरी पीढ़ी है। खास बात ये रही कि उनके परिवार के सदस्य विभिन्न सरकारी विभागों में कार्यरत हैं। यहां तक कि उनकी बड़ी बहन और बहनोई भी शिक्षक हैं। भाई खेल जगत से बीसीसीआई के साथ जुड़े रहते निजी व्यवसाय में है तो बेटा रैप गायकी व ऑनलाइन स्टार्ट-अप की तैयारी में है, इसलिए उनके परिवार में शिक्षा को सर्वोपरि रखा गया। बकौल डा. डेजी, उनके घर में अखबार और विभिन्न पत्रिकाएं आती थी, जिन्हें पढ़कर उनकी किशोर अवस्था में उपन्यास पढ़ने में रुचि हो गई। कविता का संचार उनके भीतर बचपन से ही था। किशोरावस्था में उनकी मुलाकात सहेली योगिता से हुई, जिनकी एक कविता अखबार में छपी थी, तो उसके मन में भी परिवार से छुपकर कुछ कविताएं लिखी, जिन्हें उसने अपनी सहेली के अलावा किसी अन्य से साझा नहीं की। जब वह नौवीं कक्षा की परीक्षाओं की तैयारी करते हुए जब उनका ध्यान चीटियों पर गया तो वह चंद कविताएं लिखने का उतावली हुई। बारहवीं कक्षा में अध्ययन के दौरान उनकी पहली कविता 'पल भर की आशा' कॉलेज की मैगजीन में छपी। हालांकि उनका असली साहित्यिक सफर तो उसी समय गतिमान हुआ जब वह चालीसवें बंसत में पहुंची। उस समय उनके मित्र व सहकर्मी रवि भूषण ने कहा था कि 'इंसान जिस भी विधा में स्वयं को बेहतर अभिव्यक्त कर सके, उसी में करना चाहिए। साहित्य लेखन के क्षेत्र में उनका पहला काव्य-संकलन 'आस' साल 2009 में प्रकाशित हुआ, उन्होंने कृति की पहली प्रति अपने माता-पिता को को देकर सरप्राइज दिया, जिसे देखकर वे बेहद खुश हुए। इसके बाद 'करवटें मौसम की' और कथा संग्रह 'कटघरे' साल 2017 में पाठकों के समक्ष आए। डा. डेजी का कहना है कि यदि 'साहित्य' को आप केवल प्रकाशित साहित्य की दृष्टि से देखेंगे तो ऐसा साहित्य के प्रति रुचि कम हो रही है, लेकिन इस परिवर्तनशील संसार में आज सत्य पर माध्यम हावी हो चुका है यानी अधिकतर लोग दृश्य-श्रव्य माध्यम से ही जीवन को भी आंकने लगे हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

डा. डेजी 'मुदिता' की 14 पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं। उनकी प्रमुख पुस्तकों में भारतीय भाषा लोक सर्वेक्षण की पुस्तक 'हरियाणा की भाषाएं' नवीनतम कृति है। इसके अलावा उनके काव्य संग्रह–'आस' और 'करवटें मौसम की' के अलावा कथा संग्रह 'कटघरे' भी सुर्खियों में हैं। उन्होंने आधा दर्जन से ज्यादा पुस्तकें अंग्रेजी भाषा में भी लिखी हैं। पिछले दिनों ही हरियाणा की कवयित्रियों की श्रेष्ठ कविताओं एक एक काव्य संकलन 'धूप में चाँदनी' उनकी दस कवितायें प्रकाशित हुई थी।

डॉ. डेजी 'मुदिता'

पुरस्कार व सम्मान

महिला साहित्यकार एवं कवयित्री डा. डेजी 'मुदिता' को ग्लोबल सोसाइटी ऑफ एजुकेशनल ग्रोथ की ओर से 'भारत शिक्षा रत्न' पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। शिवयुवा शक्ति संघ के शिक्षक सम्मान के अलावा हरियाणा सरकार भी उन्हें गणतंत्र दिवस और अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सम्मानित कर चुकी है। कवयित्री के रूप में महिला काव्य मंच उन्हें काव्यात्मक प्रतिभा सम्मान से भी अलंकृत कर चुकी है। इसके अलावा विभिन्न साहित्य एवं सामाजिक मंच पर भी उन्हें अनेक पुरस्कार पाने का सौभाग्य मिला है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम: डॉ. डेजी 'मुदिता'
जन्मतिथि: 28 दिसंबर 1970
जन्म स्थान: सोनीपत (हरियाणा)
शिक्षा: बी.एस.सी. (नॉन मेडिकल), एमए, एम.फिल(ईएली), पीएच.डी।
संप्रति: एसोसिएट प्रॉफेसर (अंग्रेजी), स्वतंत्र काव्य व कथा लेखन

विसंगतियों पर प्रहार संवेदनाओं की पुकार

पुस्तक समीक्षा | आशा खत्री 'लता'

संवेदनाओं की पुकार लघुकविता सँग्रह आशा विजय विभोर का दूसरा लघुकविता संग्रह है जिसमे 103 रचनाएँ संगृहीत हैं। कवयित्री ने प्रस्तुत कविताओं में समाज में, मानवीय व्यवहार में, व्यवस्था में, राजनीति में व्याप्त विसंगतियों पर डटकर कलम चलाई है।

पुस्तक : संवेदनाओं की पुकार
लेखिका: आशा विजय विभोर
मूल्य : 300 रुपये
प्रकाशक: आनन्द कला मंच

कवयित्री ने जहाँ वैज्ञानिकों के उत्कृष्ट कार्य निष्पादन को सराहा है वहीं वे युवा पीढ़ी में बढ़ते नशे की प्रवृति, बलात्कार, मजदूरों के शोषण, प्रकृति को नष्ट करने, नदियों को प्रदूषित करने, कला के नाम पर नग्नता, मांसाहार, बढ़ती महंगाई, प्लास्टिक के उपयोग को रोकने, पर्यावरण प्रदूषण व अन्य अनेक सामयिक विषयों पर खुलकर कलम चलाई है।

आशा जी एक संवेदनशील व्यक्तित्व की धनी हैं। उन्हें मनुष्य का शोषण पीड़ा देता है तो वे पक्षियों की पीड़ा को भी अनुभव और व्यक्त करती हैं। वे मानव के पशु-पक्षियों के प्रति दोगले व्यवहार से कराह उठती हैं। 'गौ सेवा' कविता में उनका तेवर देखिये-

दूध और मक्खन खाकर
मानव का हृदय तृप्त हो जाता
मूत्र तुम्हारा बीमारियों को दूर भगाता
उपलों से तुम्हारे हवन करके
वतावरण शुद्ध हो जाता
खाद से तुम्हारी
पौधों में जीवन आता
फिर भी पंजीकृत बूचड़खानों में
तुम्हारी हत्या से होकर बेपरवाह
स्वांग गौ सेवा का रचा जाता। आजकल मोबाइल का बोलबाला है। आशा जी ने ऑनलाइन सुविधाओं के साथ-साथ उनके नुकसान की तरफ भी ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया है। 'संवेदनाओं की पुकार' जिसके शीर्षक को पुस्तक का नाम दिया गया है में कवयित्री माँ की त्याग तपस्या के साथ-साथ बच्चों को माँ द्वारा त्याग दिए जाने की ज्वलंत समस्या पर भी लिखती हैं।

भाषा, सरल, प्रवाहमयी व सहज सम्प्रेषणीय है। आवश्यकतानुसार बात को प्रभावी ढंग से कहने के लिए मुहावरों का प्रयोग जैसे अपना उल्लू सीधा करना, अपने मुँह मिया मिट्ठू बनना, आँखें बिछाना, आसमान से गिरा खजूर में अटका, दिल बाग-बाग हुआ, भी खूब किया गया है।

आवरण पृष्ठ आकर्षक है। शीर्षक को विषय अनुसार बिलकुल सही लिया गया है। 'अपनी बात' कहते हुए आशा विजय विभोर साथी साहित्यकारों का आभार प्रकट करती हैं। यह उनका बड़प्पन व सहृदयता है।

ऋषि च्यवन के जीवन की विशद् व्याख्या

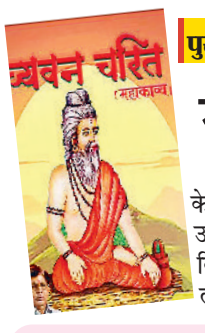

पुस्तक समीक्षा | विदर्भ कुमार

सुप्रसिद्ध रचनाकार डॉ. सत्यदेव प्रसाद द्विवेदी 'पथिक' द्वारा रचित महाकाव्य कृति 'च्यवन चरित' के अध्ययन, मनन, और अनुशीलन के उपरांत निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि 'च्यवन चरित' कृति महाकाव्य के लक्षणों के आधार पर एक सफल प्रबंध महाकाव्य कृति है। यह भाव सौंदर्य, शिल्प सौष्ठव एवं रचनात्मक अभिप्रेत की दृष्टि से अप्रतिम एवं प्रभविष्णु कृति है।

पुस्तक : च्यवन चरित
लेखक: डॉ सत्यदेव प्रसाद द्विवेदी
मूल्य : 750 रुपये
प्रकाशक: शतरंग प्रकाशन

इसका कथानक बड़ा सरस, रोचक कौतूहलवर्धक एवं सन्देशप्रद है, जो भारतीय वाग्डमय के वैदिक ऋषि च्यवन के जीवन की विशद् व्याख्या की गई है। डॉ. सत्यदेव प्रसाद द्विवेदी 'पथिक' ने मूल कथा को मनोवैज्ञानिक आधार पर छन्द के माध्यम से बहुत प्रभावशाली तरीके से सरस शैली में चित्रित किया है तथा कथा से पूर्व समर्पण के रूप में माँ सरस्वती की वंदना प्रस्तुत की है।

डॉ. सत्यदेव प्रसाद द्विवेदी 'पथिक' की कृति के मुख्य पात्र च्यवन ऋषि है। इसका उद्देश्य धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष आदि चारों पुरुषार्थों को दृष्टिगत रखते हुए मानव जीवन में सत्यम्, शिवम्, सुंदरम् की स्थापना करना है और त्याग के महत्व को प्रतिपादित करना है। इसमें शांत, शृंगार व करुण रस की प्रधानता है।

सबसे विशेष बात यह है कि इस पुस्तक का देशकाल और वातावरण कथानुरूप है। भाषा सरल, सुबोध, खड़ी बोली हिंदी है। बीच-बीच में तत्सम व तद्भव शब्दों का समावेश भी हुआ है । शैली सरस, चित्रात्मक और विश्लेषणात्मक है। अलंकारों का स्वाभाविक प्रयोग देखते ही बनता है, विशेष रूप से अनुप्रास, उपमा, रूपक, यमक, दृष्टांत, श्लेष, अतिशयोक्ति, पुनरुक्ति आदि का प्रयोग हुआ है। निष्कर्षतः जीवन में त्याग की उपादेयता को रेखांकित करती प्रबंध महाकाव्य कृति ' च्यवन चरित' भाव सौंदर्य, शिल्प सौष्ठव, शीर्षक, सन्देश, काव्य प्रयोजन, उद्देश्य एवं रचनात्मक अभिप्रेत की दृष्टि से अत्यंत उत्कृष्ट एवं उपादेय है।

यह पठनीय एवं संग्रहणीय काव्य कृति में प्रथम बार च्यवन ऋषि के सम्पूर्ण व्यक्तित्व को एकाकार रूप में प्रस्तुत किया गया है। सुधीजनों एवं साहित्य जगत में यह अपना उल्लेखनीय स्थान बनाएगी, ऐसा मेरा ध्रुव विश्वास है। लेखक साधुवाद के पात्र हैं। शुभकामनाओं सहित।

खबर संक्षेप

नलवा हलके में समरस विजय संकल्प रैली 10 को

हिसार। विधानसभा उपाध्यक्ष रणबीर गंगवा ने कहा है कि 10 अप्रैल को नलवा हल्के के गांव कैमरी में भारतीय जनता पार्टी की ओर से समरस विजय संकल्प रैली का आयोजन किया जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल सहित अन्य मंत्रीगण रैली को सम्बोधित करेंगे और भाजपा प्रत्याशी रणजीत सिंह के पक्ष में मतदान की अपील करेंगे। उन्होंने बताया कि रैली की सफलता के लिए तीन टीमें बनाई गई है, जो हल्के के विभिन्न गांवों तथा शहरी क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान चलाएगी।

अवैध शराब बनाते एक पकड़ा

बरवाला। गांव बधावड़ स्थित खेतों में बने कोठे में भट्टी लगाकर अवैध रुप से शराब बनाने वाले एक व्यक्ति को शराब बनाने के उपकरणों समेत गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान बधावड़ निवासी सुरेंद्र के रुप में हुई है। पुलिस के अनुसार सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति गांव बधावड़ से सरहेडा रोड की तरफ लगते अपने खेत मे बने कोठा में भट्टी लगाकर कच्ची शराब निकाल रहा है। अगर तुरंत तौर पर छापेमारी की जाए तो अवैध रुप से शराब बनाने वालों को गिरफ्तार किया जा सकता है। पुलिस ने अवैध शराब बनाने वाले को पकड़ने के लिए बताए गए स्थान पर छापेमारी की।

मोटरसाइकिल चोरी के मामले में गिरफ्तार

हिसार। थाना अर्बन एस्टेट पुलिस ने एक सप्ताह पूर्व शीश महल के बाहर पार्किंग से मोटरसाइकिल चोरी के मामले में खेदड़ निवासी विकास उर्फ कालिया को गिरफ्तार किया है। मुख्य सिपाही नवीन कुमार ने बताया कि इस संबंध में अंबेडकर कॉलोनी निवासी रोहतास ने शीश महल के सामने पार्किंग से उसकी मोटरसाइकिल चोरी होने के बारे में शिकायत दी थी। इसी मामले में पुलिस ने आरोपी विकास उर्फ कालिया को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी से चोरीशुदा मोटरसाइकिल बरामद कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी आदतन चोरी की वारदातें करता है। उस पर चोरी और छीना झपटी के अनेक केस दर्ज हैं।

श्वसन तकनीक सुदर्शन क्रिया का साप्ताहिक फॉलोअप का आयोजन

हिसार। आर्ट ऑफ लिविंग की हिसार इकाई की ओर से रविवार को श्री श्री रविशंकर की पवित्र वाणी में वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित श्वसन तकनीक दिव्य-सुदर्शन क्रिया का साप्ताहिक फॉलोअप का आयोजन किया गया। यह सत्र दो स्थानों भारत माता मंदिर एवं आर्ट ऑफ लिविंग हैप्पीनेस सेंटर में आयोजित किए गए जिनका संचालन प्रमोद कुमार एवं साक्षी अग्रवाल ने किया। स्टेट मीडिया कोऑर्डिनेटर नीरज गुप्ता ने विश्व स्वास्थ्य दिवस पर बेहतर स्वास्थ्य के लिए श्री श्री रवि शंकर द्वारा दिए गए कुछ खास टिप्स सांझा किए। उन्होंने कहा कि भोजन में संतुलित करें अम्लीय (एसिडिक) और क्षारीय (एल्कलाइन) पदार्थों की मात्रा। उन्होंने बताया कि गुरुदेव कहते हैं कि हम लोग जो भोजन करते हैं वह बहुत ज्यादा एसिडिक होता है। इसको संतुलित करने के लिए हमें एल्कलाइन भोजन करना जरूरी है।

ग्रामीणों ने व्यायामशाला के निर्माण कार्य को भी रुकवाया

भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड की जगह पर व्यायामशाला बनाने का विरोध

ग्रामीणों ने निर्माण कार्य रुकवाने के लिए कुछ दिन पहले खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी को शिकायत दी थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जाखल

जाखल। गांव नन्हेडी खुर्द में व्यायामशाला का काम रुकवाने पहुंचे ग्रामीण।

गांव नन्हेडी खुर्द में ग्राम पंचायत द्वारा प्रशासनिक अनुमति से अधिक जगह पर व्यायामशाला के निर्माण करने को लेकर ग्रामीणों ने रोष व्यक्त किया हैं। ग्रामीणों ने नियमों के विपरीत हो रहे व्यायामशाला का निर्माण कार्य रुकवाने के लिए कुछ दिन पहले खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी को शिकायत दी थी, लेकिन इसके बावजूद भी पंचायत ने व्यायामशाला निर्माण के लिए चारदीवारी बनाने का कार्य शुरू कर दिया। इसे लेकर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए अपने स्तर पर एक बार कार्य बीच में रुकवा दिया है।

बता दें कि इसे लेकर गांव निवासी व्यक्ति द्वारा न्यायालय में केस दायर भी किया गया है। ग्रामीण संजय कुमार, बग्गू, विजय कुमार, सुखविंदर सिंह आदि ने बताया कि गांव में व्यायामशाला बनाई जा रही है। इसके लिए उपायुक्त द्वारा 17 कनाल 10 मरले भूमि पर व्यायामशाला निर्माण करने की अनुमति दी गई है, लेकिन ग्राम सरपंच व पुरुषार्थ कमेटी के प्रधान द्वारा उक्त व्यायामशाला 3 एकड़ भूमि में बनाई जा रही है, जो सरासर गलत है। ग्रामीणों ने बताया कि ऐसे में अनुमति से अधिक जगह में जिस रकबे में यह व्यायामशाला बनाई जा रही है वो रकबा भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड द्वारा आबादी देह के लिए एक आरक्षित रकबा है। इस रकबे में मलकियत भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड प्रशासन के नाम है, जबकि इस रकबे में हरियाणा सरकार का कोई लेनदेन नहीं है। उन्होंने बताया कि यदि ग्राम पंचायत व पुरुषार्थ कमेटी द्वारा इस रकबे में जो बचत का रकबा है, जैसे कि ग्राउंड गलियां आदि पर कोई भी विकास कार्य करने हैं तो ग्राम पंचायत व पुरुषार्थ कमेटी को पहले संबंधित विभाग भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड प्रशासन व उपायुक्त से अनुमति लेना अनिवार्य है। यहां से अनुमति मिलने के बाद ही ग्राम पंचायत कोई काम करवा सकती है। ऐसे में नन्हेडी खुर्द में सरपंच व पुरुषार्थ कमेटी के अध्यक्ष द्वारा बगैर अनुमति नियमों के विपरीत व्यायामशाला का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नियमों के विपरीत व्यायामशाला का निर्माण किसी भी सूरत में नहीं होने दिया जाएगा।

पुलिस को दी शिकायत

17 कनाल 10 मरले की जगह 3 एकड़ में बनाई जा रही व्यायामशाला के खिलाफ ग्रामवासी संजय कुमार द्वारा इसकी शिकायत कुलां चौकी पुलिस में भी दी है। उन्होंने व्यायामशाला निर्माण के लिए 17 कनाल 10 मरले भूमि के लिए मिली अनुमति का पत्र भी शिकायत पत्र के साथ संलग्न किया है। शिकायत में उन्होंने बताया कि ग्राम सरपंच और पुरुषार्थ कमेटी के प्रधान सुखदेव सिंह द्वारा नियमों को दरकिनार कर 3 एकड़ में बनाई जा रही व्यायामशाला का जब ग्रामीणों ने विरोध किया तो उक्त लोगों ने कहा कि उनके पास 3 एकड़ में व्यायामशाला बनाने की ही अनुमति है, जबकि डीसी फतेहाबाद का 17 कनाल 10 मरले का पत्र फर्जी हैं। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि पुरुषार्थ कमेटी के ही एक सदस्य का इसी ग्राउंड में लगभग पांच मरले जगह में कब्जा हैं। आरोप है कि उस कब्जे वाली जगह पर ग्राम पंचायत व पुरुषार्थ कमेटी द्वारा कोई चारदीवारी नहीं की गई। उनका आरोप है कि इसे लेकर जब उन्होंने इसका विरोध किया तो पुरुषार्थ कमेटी के प्रधान सुखदेव सिंह और कमेटी सदस्य अर्जुन, राजेंद्र ठाकुर, किसनपाल व निखिल ठाकुर और केसर सिंह व ग्राम सरपंच पप्पू ने उनके साथ गाली गलौज और झगड़ा किया। इसे लेकर उन्होंने चौकी पुलिस को दी शिकायत में उक्त लोगों पर कार्यवाही करने का आग्रह किया है।

क्या कहते हैं अधिकारी

यह मामला मेरे संज्ञान में है। जिला उपायुक्त द्वारा गांव नन्हेडी खुर्द में 17 कनाल 10 मरले भूमि पर व्यायामशाला बनाने के लिए अनुमति दी गई है। ग्राम पंचायत द्वारा 3 एकड़ भूमि में व्यायामशाला बनाने की शिकायत दी गई है। इस संबंध में उच्च अधिकारियों को अवगत करा दिया है। जैसे ही उनके आगामी आदेश होंगे उसके अनुरूप कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

हुकुम चंद, बीडीपीओ टोहाना

सिरसा। डॉ. कुलदीप ढींडसा सेल्फी लेकर मतदाता अभियान का शुभारंभ करते हुए।

मत समाज के सुधार और प्रगति में है महत्वपूर्ण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

- लोकतंत्र की कामयाबी एवं बहाली के लिए एक-एक मत महत्वपूर्ण

सिरसा प्रशासन के चुनाव आयोग मतदाता जागरूकता अभियान स्वीप के जरिए मतदाताओं और विशेष कर युवा मतदाताओं को मतदान के महत्व से अवगत कराने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में जेसीडी विद्यापीठ में स्थापित जेसीडी मेमोरियल इंजीनियरिंग कॉलेज में सेल्फी प्वाइंट की स्थापना की गई जिसमें सर्वप्रथम जेसीडी विद्यापीठ के महानिदेशक डॉ. कुलदीप सिंह ढींडसा ने सेल्फी लेकर अभियान का शुभारंभ किया।

उन्होंने युवा मतदाताओं संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र की कामयाबी एवं बहाली के लिए एक-एक मत महत्वपूर्ण है। यह एक महत्वपूर्ण सिद्धांत है कि हर व्यक्ति का विचार महत्वपूर्ण है और उन्हें समाज में शामिल किया जाना चाहिए। लोकतंत्र में, लोगों को स्वतंत्रता होती है अपने विचार को व्यक्त करने के लिए, जिससे समाज में विविधता और समृद्धि होती है। इसलिए प्रत्येक मतदाता को लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाए रखते हुए धर्म वर्ग जाति समुदाय अथवा अन्य किसी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने उपस्थितजनों से आह्वान किया कि वे अपने मताधिकार का प्रयोग जरूर करें और बेहतरीन सरकार चुनने में भागीदारी सुनिश्चित करें। इस अवसर पर जेसीडी इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राचार्य डॉ. दिनेश कुमार, जेसीडी शिक्षण संस्थान के प्राचार्य डॉ. जयप्रकाश, बिजनेस मैनेजमेंट संस्थान की प्राचार्या डॉ. हरलीन कौर एवं अन्य स्टाफ सदस्यों ने भी सेल्फी लेकर मतदाता अभियान का समर्थन किया।

टोहाना। उपवास करते हुए आप पार्टी के कार्यकर्ता।

आप कार्यकर्ताओं को पुलिस ने किया गिरफ्तार

टोहाना। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में देशव्यापी उपवास के तहत रविवार को टोहाना शहर के शहीद चौक पर शांतिपूर्ण उपवास पर बैठे आप पार्टी के कार्यकर्ताओं को पुलिस प्रशासन ने गिरफ्तार कर लिया। इस अवसर पर आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व हरियाणा प्रदेश संयुक्त सचिव सुखविंद्र सिंह गिल ने कहा कि मौजूदा भाजपा सरकार पूरी तरह तानाशाह हो चुकी है। आम आदमी के मौलिक अधिकारों का हनन हो रहा है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता अपने मौलिक अधिकारों के प्रति जागरुक है। पार्टी का कार्यकर्ता झुकने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि हम अपने हकों के लिए लड़ते रहेंगे और इस तानाशाह सरकार को उखाड़ फेंकेंगे।

हमारा प्यार हिसार की टीम ने बदरंग दीवार को बनाया सुंदर

हिसार। हमारा प्यार हिसार की टीम ने रविवार को सिटी थाने की एक दीवार पर टेराकोटा पेंट किया। इस दीवार पर ग्रुप द्वारा पिछले हफ्ते से सफाई और पेंट का कार्य जारी है। चूंकि दीवार बड़ी है, इसलिए उस पर टेराकोटा लगाने का कार्य टीम ने आज भी जारी रखा गया। इस दीवार पर दो साल पहले भी पेंट किया गया था लेकिन लोगों ने पोस्टर्स चिपका—चिपका कर इसे फिर से गंदा कर दिया था। टीम के सदस्यों ने रोड पर खंभों व दीवारों पर लगे बोर्ड व पोस्टर्स भी उतार दिए और सफाई में अपना योगदान दिया। अभियान में डॉ. सुरेन्द्र गर्ग, डॉ. हरीश भाटिया, त्रिलोक बंसल, जितेंद्र सैनी, डॉ. विजय कादियान, मनीष गोयल, गगन मेहता, जितेन्द्र बंसल, सत्येंद्र यदुवंशी, दिनेश बंसल, संजय गर्ग, प्रवीण अग्रवाल, अमित गुप्ता, लक्ष्य शर्मा, कुशल, ईशान गोयल, कमल भाटिया, आदेश मलिक, पायल सिंघा, रेखा गर्ग, स्नेह प्रेमचंद, हीना गोयल, दीक्षा, खुशी, कीर्ति गोयल, ईशा बिष्ट, राघव, राघव गर्ग, स्पर्श, अर्पित, रिया व मेघा शामिल हुए।

विधायक के नेतृत्व में अनेक ने थामा कांग्रेस का दामन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। कांग्रेस में शामिल होने वालों को पटका पहनाकर उनका स्वागत करते हुए विधायक शीशपाल।

कांग्रेस की कल्याणकारी नीतियों से प्रभावित होकर गांव भंगु में रविवार को इनेलो और आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अपने अपने दलों को छोड़कर विधायक शीशपाल केहरवाला के नेतृत्व में कांगे्रस का दामन थामा। विधायक शीशपाल ने कांग्रेस में शामिल होने वाले सोनी सिंह, सोनी सिद्धु, छोटा सिंह, मलकीत सिंह, गुरमीत सिंह आदि को कांग्रेस पार्टी की पट्टिका पहनाकर उन्हें विधिवत तरीके से कांग्रेस में शामिल किया। केहरवाला ने कहा कि कांग्रेस वह राजनीतिक दल है जो सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य करता है। देश की आजादी से लेकर अब तक भारत को अंतरराष्ट्रीय पटल पर विकास की पगडंडियों पर दौड़ाने वाली कांग्रेस में ही सभी वर्गों का हित निहित है। केहरवाला ने पार्टी में शामिल सभी लोगों को समुचित मान सम्मान देने के साथ-साथ उन्हें जन जन के बीच जाकर पार्टी की कल्याणकारी नीतियों को प्रचारित करने का आह्वान किया। इस मौके पर विधायक केहरवाला के साथ खुशदेव सिंह, कश्मीर सिंह, जर्मन सिंह, अमरजीत सिंह व मनप्रीत सिंह भी मौजूद थे।

सीएम का विरोध करने पहुंचे किसानों को हिरासत में लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| टोहाना/भूना

टोहाना। प्रदर्शन कर रहे किसानों को गिरफ्तार करते पुलिस कर्मचारी।

प्रदेश के सीएम नायब सिंह सैनी रविवार की दोपहर बाद टोहाना में एक जनसभा करने पहुंचे लेकिन मुख्यमंत्री के पहुंचने से पहले ही विरोध करने आए पगड़ी संभाल जट्टा किसान संगठन से जुड़े लोगों ने सीएम से 18 सवालों के जवाब लेने और विरोध प्रदर्शन करके काले झंडे दिखाने के लिए पहुंचे। किसानों ने टोहाना में अनाज मंडी के पास रेलवे रोड पर डाकघर के समीप एकत्र होकर नारेबाजी की, वहीं भारी संख्या में पहुंची पुलिस ने सभी किसानों को अपनी हिरासत में ले लिया। इस दौरान लगभग 150 किसानों को पुलिस बसों के माध्यम से अपनी हिरासत में लेकर उन्हें साथ लगते क्षेत्रों के थानों में बंद कर दिया। किसानों का कहना है कि भाजपा के प्रत्याशी और सीएम जहां जाएंगे, वे उनसे 18 सवाल जरूर पूछेंगे, यही सवाल पूछने आज वे टोहाना आए हैं। प्रदर्शनकारी किसानों को पुलिस बसों में बैठाकर पुलिस स्टेशन भूना में लेकर पहुंची। जहां पर किसान संगठन से जुड़े हुए लोगों ने शासन प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। बता दें कि किसानों द्वारा मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर पहले से ही विरोध को लेकर दी गई चेतावनी को लेकर पुलिस प्रशासन मुस्तैद था। रविवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह की लोकसभा प्रत्याशी डा. अशोक तंवर के समर्थन में पहली रैली अनाज मंडी में दोपहर बाद आयोजित होनी थी, जबकि किसान संगठन सुबह ही आकर रेलवे रोड पर अनाज मंडी के बाहर डाकघर के पास आकर जमा हो गये थे।

सीएम रैली का विरोध करने पहुंचे थे किसान

इससे पहले 5 अप्रैल को रतिया में भी सीएम की रैली में किसान विरोध करने पहुंचे थे, तब भी किसानों को हिरासत में लिया गया था। भाजपा प्रत्याशी डॉ.अशोक तंवर को भी किसानों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। सीएम द्वारा किसानों को उपद्दवी बताने के बाद किसानों का गुस्सा अब सातवें आसमान पर है। पगड़ी संभाल जट्टा किसान संगठन के संयोजक मनदीप नथवान ने कहा कि रविवार को किसानों को हिरासत में लिया गया, वे सिर्फ सीएम से बात करना चाहते थे, यदि उनसे इसी प्रकार नाजायज धक्का किया जाएगा तो वोट मांगने आने वाले भाजपाइयों का इसी तरह विरोध करते रहेंगे।

तूड़ी से भरी ट्रालियों से रास्ता जाम दो ट्रैक्टर चालकों पर मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

- दो ट्रैक्टर चालकों के खिलाफ मामला किया दर्ज

शहर पुलिस ने पुलिस कर्मचारियों की शिकायत पर तूड़ी भुंग से भरी हुई ट्रैक्टर ट्राली लापरवाही से सड़क पर ले जाने तथा उसकी सड़क के बीचों-बीच रोकने पर आमजन को आवागमन में हो रही परेशानियों को चलते दो ट्रैक्टर चालकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है शिकायत में पुलिस कर्मचारियों ने बताया कि वह गस्त के दौरान जब सरदुलगढ कैचिया रतिया के पास पहुंचा तो सामने दो ट्रैक्टर जिसके पीछे तूड़ी भुंग वाली ट्राली जुडी हुई थी जिसके चालकों ने अपनी ट्रैक्टर ट्राली सड़क के बीच में खड़ी की हुई थी बल्कि कोई नैविगेशन नहीं रखा था। इसके कारण रास्ता पुरी तरह से बाधित था तथा आने जाने वाले लोगों को परेशानी और नुकसान का खतरा बना हुआ था। उक्त ट्रैक्टर ट्रालियों के चलते वाहनों की लंबी लाइन भी लग गई। पुलिस ने दोनों ट्रैक्टर चालकों के लापरवाही के चलते उनके खिलाफ कर मामले में आगामी कार्यवाही शुरू कर दी। शहर थाना प्रभारी जय सिंह ने बताया कि मामले में पुलिस ने ट्रैक्टर चालकों बलविन्द्र सिह व सोहन सिंह निवासी सुनाम पंजाब के खिलाफ आईपीसी की धारा 283 के तहत मामला दर्ज किया है।

रिटायर्ड कर्मचारी संघ ने भाजपा के विरोध का लिया फैसला

रतिया। रिटायर्ड कर्मचारी संघ ब्लॉक रतिया की मासिक सभा ब्लाक प्रधान बलबीर सिंह महमड़ा की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसका संचालन ब्लाक सचिव राज कुमार हड़ोली व प्रैस सचिव भोला सिंह नागपुर द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। सभा में गुरखीत सिंह नैन, बलिंद्र शर्मा, हरभजन सिंह थिंद ने देश में चल रही राजनीति पर रोष जताते हुए कहा कि भाजपा सरकार कर्मचारी, किसानों, मजदूरों तथा व्यापारियों की मांगें कभी भी नहीं मानेगी इसलिए बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी चुनाव में भाजपा का विरोध करते हुए गांव गांव जाकर लोगों को जागरूक करेंगे ताकि इस तानाशाही भाजपा की सरकार, जिसने अब पूरे देश में अघोषित एमरजैंसी लगा रखी है, इसे चलता किया जा सके।

नलवा स्कूल में स्वयंसेवकों ने जाने उत्तम स्वास्थ्य के उपाय

हिसार। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नलवा की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने बीसी जिंदल फाउंडेशन के सहयोग से गांव के सामुदायिक केंद्र में स्वयंसेवकों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। कार्यक्रम अधिकारी अशोक वशिष्ठ ने विश्व स्वास्थ्य दिवस की थीम, विश्व स्वास्थ्य संगठन के गठन, किए जाने वाले कार्यों, गतिविधियों, उत्तम स्वास्थ्य के लिए किए जाने वाले उपायों की जानकारी विस्तार से दी। डॉ. दिवाकर व डॉ. उपकार ने स्वयंसेवकों के स्वास्थ्य की जांच व सामान्य टेस्ट किए। उन्होंने स्वास्थ्य रक्षा के लिए स्वस्थ आदतें अपनाने, नशे से दूर रहने, संतुलित भोजन करने, नियमित व्यायाम करने, सकारात्मक सोच रखने का आह्वान किया। उन्होंने शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के संबंध में भाग दौड़ भरे जीवन में तनाव मुक्त रहने के अनेक सूत्र समझाए जिन्हें स्वयंसेवक अपने घर परिवार व आस-पड़ोस में बताकर लोगों को जागरूक करेंगे। प्रार्थना सभा में सभी छात्रों ने स्वास्थ्य के लिए योग प्राणायाम का महत्व जाना तथा विभिन्न प्रकार के आसनों का अभ्यास किया। प्रवक्ता वीरेंद्र बडाला ने विद्यार्थियों के लिए विशेष आसनों व प्राणायाम की जानकारी दी।इस अवसर पर अंशुल, कृष्ण, सूरज शर्मा विद्यालय के सभी स्टाफ सदस्य व स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

कचरा उठान न होने से बीमारियां फैलने का भी खतरा रहता है

नपा ठेकेदार ने रविवार को कचरा न उठाने से लोग परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

रतिया। कचरे में मुंह मारते हुए बेसहारा पशु।

रतिया नगर पालिका के कचरा उठाने वाले ठेकेदार द्वारा रविवार को कचरा न उठाने के कारण शहर में डेढ़ दर्जन से भी ज्यादा डंपिंग पॉइंट पर सारा दिन कचरा फैला रहता है। इस कारण आसपास के दुकानदार और शहर वासी भी परेशान हो जाते हैं। कचरा ना उठाने के कारण इनमें बेसहारा पशु भी मुंह मारते रहते हैं जिससे बीमारियां फैलने का भी खतरा बना रहता है। नगर वासियों ने रविवार को कचरा ना उठाने के मुद्दे को लेकर जिला नगर आयुक्त एसडीएम नगर पालिका अधिकारियों को शिकायत भेज कर कचरा उठाने की मांग की है। शहरवासी सुंदर लाल, कीमती लाल, श्याम सुंदर, विपिन, राजेन्द्र, सतनाम, दलप्रीत सिंह, जसविन्द्र सिंह आदि बताया कि नगर पालिका द्वारा शहर के डेढ़ दर्जन डंपिंग पॉइंट से कचरा उठाया जाना होता है परंतु नगर पालिका अधिकारियों की लापरवाही से ठेकेदार द्वारा रविवार को कचरा नहीं उठाया जाता जिससे सारे शहर में गंदगी का माहौल पैदा हो जाता है। शहर वासियों ने आरोप लगाया कि एक महीने में 4 रविवार और पूरे साल के दौरान 52 रविवार को ठेकेदार द्वारा कचरा नहीं उठाया जाता जिससे नगर पालिका को आर्थिक नुकसान होता है और जो सफाई के लिए ठेका दिया जाता है वह कार्य भी आधा अधूरा रह जाता है। उन्होंने नगर पालिका अधिकारियों के साथ-साथ एसडीएम जिला नगर आयुक्त को शिकायत भेज कर रविवार को कचरा उठाने की मांग की है।

सूचना

मैं, हरप्रीत सिंह पुत्र घनश्याम सिंह निवासी मकान नंबर 443/10, पुरानी सब्जी मण्डी, टोहाना जिला फतेहाबाद बयान करता हूं कि मेरी प्रोपर्टी की रजिस्ट्री नंबर 3664 दिनांक 6.10.2023 तहसील कार्यालय, टोहाना के पास गुम हो गई, जिसकी डीडीआर नंबर 132560092400437 है। जिसे मिले मोबाईल नंबर 9416194302 पर सम्पर्क करें।

सार्वजनिक सूचना

इस नोटिस के माध्यम से सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगरपरिषद के गृहकर रिकार्ड में प्रोपर्टी नंबर MCF/B12/0431, B12/0414, B15/0415, B15/0124 मेरे पिता किशन चन्द पुत्र लेखूराम के नाम दर्ज है। मेरे पिता का देहांत 31.10.2012 को हो गया है। अब हम रवि कुमार, विकास कुमार व सुशील कुमार रजिस्टर्ड वसीयत अनुसार उनके वारिसान हैं। इनके अलावा और कोई वारिस ना है। अगर इससे सम्बंधित किसी आमजन को कोई ऐतराज है तो वह अपना ऐतराज नगरपरिषद कार्यालय में इस नोटिस प्राप्ति के 30 दिन के अंदर-अंदर दर्ज करवा सकता है।
-विकास कुमार, अशोक नगर, फतेहाबाद

खबर संक्षेप

घर में सेंध लगाकर नकदी व जेवर चोरी

सिरसा। भारत नगर क्षेत्र में एक बंद पड़े मकान से चोर 50 हजार रुपए की नकदी सहित लाखों रुपए के आभूषण व सामान चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में भूपिंद्र सिंह ने बताया कि 10 दिन से वह अपनी बेटी की डिलीवरी के लिए परिवार सहित जयपुर गया हुआ था। इसी का फायदा उठाकर चोरों ने पीछे से मकान में घुसकर एक लैपटॉप , एसी, नकदी व जेवर चोरी कर लिए।

बस की टक्कर से बाइक सवार की मौत

सिरसा। निकटवर्ती गांव बकरियांवाली के समीप रोडवेज बस ने मोटरसाइकिल सवार को टक्कर मार दी। हादसे में मोटरसाइकिल सवार की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस को दिए बयानों में हिम्मत सिंह निवासी चत्तरगढ़पट्टी ने बताया कि सुबह 8 बजे वह मोटरसाइकिल पर सवार होकर जमाल जा रहा था।

धूमधाम से मनाया जाएगा रामनवमी उत्सव : बठला

सिरसा। श्री रामा क्लब चैरिटेबल ट्रस्ट पदाधिकारियों की बैठक नेहरू पार्क स्थित रामा क्लब कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रधान अश्वनी बठला व महासचिव गुलशन वधवा ने संयुक्त रूप से की। बैठक आगामी 17 अप्रैल को मनाए जाने वाले रामनवमी कार्यक्रम को लेकर चर्चा की गई और कार्यक्रम की रूपरेखा भी तैयार की गई। प्रधान ने बताया कि रामनवमी उत्सव को धूमधाम से मनाया जाएगा।

यूथ वीरांगना ने हेल्थ डे पर करवाया सेमिनार

सिरसा। यूथ वीरांगना ने हेल्थ डे के मौके पर बेगू रोड स्थित सोनी धर्मशाला में सेमिनार किया, जिसमें डॉ. केके गोयल ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस मौके पर उपस्थित लोगों को स्वास्थ्य के महत्व से रूबरू करवाया गया। सेमिनार में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए डॉ. गोयल ने कहा कि मौजूदा दौर में व्यस्त जिंदगी में हम स्वास्थ्य की ओर ध्यान नहीं दे पाते।

पुलिस ने की छापेमारी 600 लीटर लाहन पकड़ा

सिरसा। जिला प्रशासन द्वारा लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पंजाब एवं राजस्थान के बॉर्डर के नाकों के साथ-साथ संदिग्ध गांवों के लिंक रोड पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है। इसमें डीईटीसी (आबकारी), जीएसटी विभाग एवं पुलिस विभाग की टीमें लगातार गश्त कर रही हैं। टीम द्वारा बीती 5 अप्रेल को गांव थेहड़ी मोहर सिंह में संयुक्त छापेमारी की गई।

शुभ सालाना दीवान व भंडारा 11 को

ओढां। श्री सर्व सांझा पीरखाना कमेटी ओढां की ओर से आयोजित शुभ सालाना दीवान व भंडारा का आयोजन 11 अप्रैल को कालांवाली रोड पर स्थित पीरखाना में किया जाएगा। पीरखाना के गद्दीनशीन बाबा भगवान दास गर्ग ने बताया कि इस सालाना दीवान में हरियाणा व पंजाब से हजारों की संख्या में श्रद्धालु भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि 11 अप्रैल शाम को 6:15 बजे चिराग ए रोशन किए जाएंगे।

अधिकारियों व ठेकेदार पर मिलीभगत का आरोप

कचरा लिफ्टिंग में हर माह हो रहा लाखों रुपये का गड़बड़झाला !

शहर में कचरा उठाने के लिए 15 वाडार्े में मात्र 5-6 गाड़ियां उपलब्ध, ज्यादातर खराब रहती हैं

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भूना

भूना। कुला रोड पर कचरा डंपिंग स्थल पर लगे हुए बड़े-बड़े गंदगी के ढेर।

कचरा लिफ्टिंग के नाम पर शहर में लाखों रुपये का प्रति महीना गड़बड़झाला चल रहा है। अधिकारियों व ठेकेदार की सांठगांठ के चलते कचरा निरस्तीकरण मशीन एवं अन्य संसाधन तक उपलब्ध नहीं है। शहर में कचरा उठाने के लिए 15 वाडार्े में मात्र 5-6 गाड़ियां ही है जो अक्सर खराब रहती है। ऐसे में शहर में इन दिनों सफाई व्यवस्था का हाल-बेहाल है। कचरा लिफ्टिंग ठेकेदार की कार्य प्रणाली से लोग काफी खफा हैं। शहर में जगह-जगह कचरा के ढेर लगे हुए हैं और नगर पालिका के अधिकारी लापरवाह बने हुए हैं। अधिकारियों की क्षेत्र में अनदेखी के चलते सफाई व्यवस्था चरमराई हुई है। क्योंकि कई एरिया में डोर टू डोर कचरा नहीं उठाया जा रहा है और ऐसे में जगह-जगह गंदगी के ढेर लगे हुए हैं। शहर की प्रमुख कॉलोनियों और चौक-चौराहों पर कचरे के ढेर लगने से लोगों का सांस लेना दूभर हो रहा है, जबकि राहगीरों और वाहन चालकों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शहरवासी नरेंद्र कुमार रेवड़ी, तेलूराम, पवन कुमार रेवड़ी, कृष्ण कुमार, राजेश कुमार, मुकेश कुमार, सुखजीत सिंह, जसबीर सिंह, महेंद्र सिंह आदि ने बताया कि शहर में पिछले कई दिनों से कचरा लिफ्टिंग व्यवस्था पूरी तरह से ठप्प हो चुकी है। उन्होंने बताया कि ठेकेदार नगर पालिका से भुगतान ले जाता है, मगर कारिंदों को समय पर नहीं देता, इसलिए कारिंदों ने कचरा लिफ्टिंग का काम बीच में छोड़ दिया। शहर वासियों ने मुख्यमंत्री, शहरी विकास एवं निकाय मंत्री तथा जिला उपायुक्त के संज्ञान में लाने के लिए लिखित शिकायत भेजी है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि टेंडर में ठेकेदार द्वारा कचरा निरस्तीकरण के लिए कचरा डंपिंग स्थल पर शुरुआती दौर से ही मशीनें लगाना अनिवार्य था, परंतु ठेकेदार ने अधिकारियों के साथ मिलकर लाखों रुपये का गड़बड़झाला किया है। कचरा लिफ्टिंग से संबंधित टेंडर के मुताबिक वाहनों की संख्या व अन्य संसाधन भी पर्याप्त मात्रा में नहीं है, इसलिए नगरपालिका के अधिकारी व ठेकेदार मिलकर अपने वारे-न्यारे कर रहे हैं। शहर की समस्या से इन्हें कोई सरोकार नहीं है। शिकायतकर्ता लोगों का आरोप है कि पुराना बाजार, नेहरू पार्क, टोहाना रोड, फतेहाबाद रोड व हिसार रोड सहित कई इलाकों में सफाई व्यवस्था पटरी से उतरी हुई है। वार्ड वासियों ने कहा कि नियमित रूप से कचरा नहीं उठाने से इन इलाकों में चारों तरफ गंदगी का अंबार दिखाई देता है। ऐसे में कचरे के ढेर से आती बदबू लोगों के लिए परेशानी पैदा कर रही है। वार्डवासियों ने कहा कि कई बार नगर पालिका के अधिकारियों को ठेकेदार की कार्य प्रणाली के खिलाफ शिकायत भी दी गई है, मगर अभी तक यहां सफाई व्यवस्था को लेकर हालत नहीं सुधरे है। शहर वासियों का आरोप है कि ठेकेदार के पास पर्याप्त मात्रा में कचरा उठाने के लिए कर्मचारी और संसाधन उपलब्ध नहीं है।

जवाब तलब करेंगे

नगर पालिका के कनिष्ठ अभियंता अरुण कुमार ने बताया कि कचरा लिफ्टिंग का टेंडर सिरसा के ठेकेदार के नाम है। अगर शहर में कूड़े के ढेर लगे हैं तो उन्हें नोटिस देकर जवाब तलब किया जाएगा। जेई ने कहा कि कचरा निरस्तीकरण मशीन शुरुआती दौर से ही लगनी अनिवार्य है अगर ऐसा नहीं किया गया है तो संबंधित फर्म पर विभागीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

सिरसा। भाजपा सरकार का पुतला फूंकते किसान।

किसानों ने शहर में निकाला रोष मार्च, फूंका पुतला

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सिरसा

- किसान बोले, सरकार लगातार कर रही किसानों से अन्याय

भारतीय किसान एकता के बैनर तले किसानों ने रविवार को शहर में रोष मार्च निकालते हुए भाजपा सरकार का पुतला फूंका। इस दौरान लखविंद्र सिंह ने बताया कि बीती 13 फरवरी से किसान आंदोलन-2 चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए वायदों के अनुसार किसान अपनी मानी हुई मांगों को लागू करवाने के लिए किसान आंदोलन कर रहे हैं। किसान अपनी मांगों को लेकर दिल्ली जा रहे थे, लेकिन भाजपा सरकार ने सड़कों पर कंक्रीट की बड़ी-बड़ी दीवारें बनवाई और पूरे हरियाणा की सड़कें बंद कर दी। हरियाणा की भाजपा सरकार ने पंजाब के शंभू व खनौरी बॉर्डर पर किसानों पर जहरीली आंसू गैस के गोले, मोर्टार इंजेक्टर, प्लास्टिक की गोलियां सहित सीधी गोलियां चलवाई जिससे युवा किसान शुभकरण सिंह की मौत हो गई व सैकड़ों किसान घायल हुए। किसानों के कैंप में घुसकर उनके ट्रैक्टर व गाड़ियों को तोड़ा गया। सरकार ने कई किसानों को गिरफ्तार करके जेलों में डाला, जिसमें अनीश खटकड़, नवदीप सिंह व गुरकीरत सिंह शामिल हैं। उनकी रिहाई को लेकर व किसानों पर हुए अत्याचार के विरोध में ही आज पूरे देश में रोष मार्च निकालते हुए भाजपा के पुतले फूंके गए हैं। बीकेई ने भी सिरसा में नेहरू पार्क से चलते हुए जगदेव सिंह चौक, सुभाष चौक, शहीद भगत सिंह चौक, परशुराम चौक होते हुए सुरखाब चौक में जाकर भाजपा का पुतला फूंका। किसानों ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की किसानों को उपद्रवी कहने की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कि हरियाणा की भाजपा सरकार ने उपद्रव करते हुए किसानों पर सीधी गोलियां चलाई, शुभकरण सिंह को शहीद किया, 400 से 'यादा किसानों को जख्मी किया। अब भाजपा बताए कि उपद्रव भाजपा ने किया या किसानों ने। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी किसानों को कहे गए शब्दों पर माफी मांगें नहीं तो आंदोलन किया जाएगा।

भारत की परम्पराओं को आज विश्व भी अपना रहा है : प्रो. पार्थ सारथी

- एमएम शिक्षण महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परम्परा पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ फतेहाबाद

फतेहाबाद। एमएम शिक्षण महाविद्यालय में विद्यार्थियों को संबोधित करते प्रो. पार्थ सारथी।

मनोहर मैमोरियल शिक्षण महाविद्यालय में आईक्यूएसी विभाग की ओर से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : भारतीय ज्ञान परम्परा पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर उत्तरप्रदेश के प्रयागराज से आए प्रो. पार्थ सारथी पाण्डेय ने भाग लिया। उन्होंने भारतीय ज्ञान परम्परा के सुक्ष्म एव वृहम ज्ञान को बेहद शानदार तरीके से समझाया। शिक्षण महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. जनक रानी ने मुख्य वक्ता का कॉलेज में पहुंचने पर स्वागत किया। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्रो. पार्थ सारथी ने अध्यात्मिक और वैज्ञानिक ज्ञान को जोड़ते हुए सत्यम्, शिवम्, सुन्दरम् पर प्रकाश डाला और कहा कि ज्ञान द्वारा सत्य को, प्रयत्न द्वारा शिव को तथा इच्छा द्वारा सुंदरता को प्राप्त कर ईश्वरीय शक्तियों को अनुभूत किया जा सकता है। आध्यात्मिक ज्ञान, सामाजिक ज्ञान एवं वैज्ञानिक ज्ञान को शिक्षा द्वारा ही सरलतापूर्वक समझा जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत की परम्पराओं को आज विश्व भी अपना रहा है। हमें और हमारी भावी पीढ़ियों को भी भारत की प्राचीन मूल्य को यथोचित महत्व देना होगा। इसके लिए आतंरिक ज्ञान, गुण, शक्ति एवं आदशार्ें को ठीक रूप से पहचानना एवं सही दिशा प्रदान करना होगा। उन्होंने कहा कि आज जरूरत है आध्यात्म को विज्ञान से, परमार्थ को व्यवहार से, परंपरा को आधुनिकता से जोड़ते हुए वैयक्तिक, सामाजिक एवं वैश्विक जीवन में समरसता के लिए एकता के सूत्र खोजने की। कॉलेज के छात्र-छात्राओं और फैकल्टी मैम्बर ने ऐसे ही व्याख्यान को आगे आयोजित करने की भी इच्छा जाहिर की। आईक्यूएसी विभाग की अध्यक्ष डॉ. बत्रा ने मुख्य वक्ता का धन्यवाद किया।

नशे के खिलाफ किया जागरूक

- दादू में कबड्डी खेल प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कालांवाली

सिरसा। कबड्डी प्रतियोगिता की विजेता टीम अतिथियों के साथ।

थाना प्रभारी चांद सिंह ने गांव दादू में कबड्डी खेल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों व ग्रामीणों को नशा के दुष्परिणामों तथा साइबर अपराध के बारे अहम जानकारी दी।

एसएचओ चांद सिंह ने कबड्डी टीम के खिलाड़ियों से कहा कि नशा नाश की जड़ है। नशा कोई भी हो वह परिवार को बर्बाद कर देता है। समाज में अधिकांश अपराध नशे के कारण ही हो रहे हैं। शराब, चरस, गुटखा, सिगरेट, बीड़ी, खैनी का पहले से चलन बढ़ रहा है। पहले युवा नशा शौक के कारण करता है और बाद मे धीरे-धीरे वह अन्य नशे हैरोइन, अफीम, पोस्त आदि जानलेवा नशे लेना शुरु कर देता है। बाद में नशे की लत पड़ने पर उसका जीवन बर्बाद हो जाता है। नशे की बुरी लत से हमारे स्वास्थ्य के साथ।

साथ धन की भी हानि होती है। नशे से हजारों लाखों घर बर्बाद हो चुके हैं। नौजवान बच्चे शौक-शौक में नशे की बुरी लत को पाल लेते हैं। बाद में नशे की पूर्ति के लिए क्राइम का सहारा लेते हैं जिसमें नौजवान चोरी, स्नेचिंग, लूट तथा अवैध हथियार के साथ वारदातों को अंजाम देते हैं जिसके कारण उनकी हंसती खेलती जिंदगी बर्बाद हो जाती है।

हमें नशे से शुरुआत में ही लड़ना चाहिए जिससे कि हम अपनी स्वास्थ्य व धन के साथ अपने परिवार की खुशियों को बचा सकें।

आरएमपी समिति की हुई मासिक बैठक

सिरसा। आयुर्वेदिक अनुभवी चिकित्सक समाज समिति की एक मासिक बैठक रविवार को श्री युवक साहित्य सदन में हुई जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष कश्मीर सिंह करीवाला ने की। बैठक में जिलाभर से आरएमपी ने भाग लिया। प्रदेशाध्यक्ष राजपाल वर्मा ने बैठक में कहा कि आरएमपी की स्वास्थ्य क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका है, क्योंकि आरएमपी उन क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे है जहां पर डॉक्टर उपलब्ध नहीं हैं। इसके अतिरिक्त आरएमपी बेटी बचाओ व बेटी बचाओ के प्रति भी लोगों को जागरूक करते हैं और समय-समय पर नशे के खिलाफ अभियान चलाकर प्रशासन व सरकार को सहयोग करते हैं। इसके बावजूद अभी तक सरकार ने आरएमपी को पंजीकृत करने की दिशा में कदम नहीं उठाए हैं। वर्मा ने प्रदेश कार्यकारिणी व सरकार के मंत्री के बीच हुई वार्ता को सांझा करते हुए बताया कि प्रदेश कार्यकारिणी ने कंवरपाल गुर्जर को हेल्थ बोर्ड वर्कर का चेयरमैन बनाने के संबंध में ज्ञापन सौंपा था लेकिन अभी तक कोई भी बात सिरे नहीं चढ़ी है। इसको लेकर आरएमपी में रोष है और शीघ्र ही बड़ा निर्णय लेंगे। बैठक में प्रेम मेहता, दलवीर बाजेकां, भूप सिंह चाड़ीवाल, चत्तर सिंह, दिनेश मीरपुर, कर्मबीर, सुभाष सिंवर, विनोद नाथूसरी, द्वारका प्रसाद, छत्रपाल सहारण, राजेंद्र बाजेकां आदि मौजूद थे।

क्रेसेंट में दी अंग्रेजी की ट्रेनिंग

हरिभूमि न्यूज ▸▸ फतेहाबाद

फतेहाबाद। क्रेसेंट स्कूल में अंग्रेजी विषय में बार्लिंगटन द्वारा ट्रेनिंग में भाग लेते शिक्षक।

क्रेसेंट पब्लिक स्कूल फतेहाबाद गुणवत्ता में सुधार एवं दक्षता मे विश्वास रखता है। इसी गुणवत्ता को क़ायम रखने के लिए विद्यालय में समय-समय पर विभिन्न विषयों पर अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी में अध्यापकों को अंग्रेजी भाषा में प्रशिक्षित करने के लिए बर्लिंगटन इंग्लिश इंडिया के तहत एक ट्रेनिंग का आयोजन किया गया।

बर्लिंगटन व्याकरण एक व्यापक व्याकरण संसाधन है, जिसका उपयोग किसी भी पाठ्यक्रम के पूरक के रूप में किया जा सकता है। कुल 120 व्याकरण पाठों के साथ, शिक्षक पाठ संवर्धन, विस्तार या अतिरिक्त अभ्यास के लिए बर्लिंगटन व्याकरण की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इस ट्रेनिंग के विषय में जानकारी प्रदान करते हुए प्राचार्या पूनम ने कहा कि हमें बर्लिंगटन इंग्लिश के साथ साझेदारी करके खुशी हो रही है। शिक्षार्थियों के लिए आत्मविश्वास से अंग्रेजी में संवाद करना महत्वपूर्ण है।

इससे भविष्य में उनके आत्मविश्वास मे वृद्धि के साथ साथ उनके लिए ढेर सारे अवसर खुलेंगे।

डॉ. तंवर के आवास पर आशीर्वाद देने पहुंचे प्रोफेसर गणेशीलाल

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सिरसा

उड़ीसा के पूर्व रा'यपाल प्रो. गणेशीलाल रविवार को हुडा सेक्टर स्थित डॉ. अशोक तंवर के निवास पर पहुंचे और उन्हें अपना आशीर्वाद दिया।

इस दौरान डॉ. अशोक तंवर के पिता दिलबाग राय तंवर, बड़े भाई सुरेंद्र तंवर, भाजपा नेता मनीष सिंगला, अवंतिका तंवर, अभिस्तदा तंवर, जिला मीडिया प्रभारी अमित सोनी, सांवरमल गुर्जर, राजेंद्र रेणू, भावना शर्मा एडवोकेट व हरपिंद्र शर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित थे। प्रो. गणेशीलाल ने डॉ. तंवर को जीत का आशीर्वाद देते हुए कहा कि भाजपा ने डॉ. अशोक तंवर को अपना उम्मीदवार बनाकर पाटी को जीत को सुनिश्चित कर दिया है। कार्यकर्ता साथी एकजुट होकर अपने उम्मीदवार को सफल बनाने की दिशा में जुटें। परिणाम सार्थक ही होंगे। प्रो. गणेशीलाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास की जो प्रक्रिया शुरू हुई है, उससे आम आदमी प्रभावित है, उत्साहित है और आनंदित है। आने वाला वक्त भारत की तरक्की का है। वहीं भाजपा प्रत्याशी डॉ. अशोक तंवर ने प्रो. गणेशीलाल को अपना मार्गदर्शक बताते हुए कहा कि उनके आशीर्वाद और प्रताप से बहुत उत्साह और हौंसला मिला है। हम सभी लोग उनके मार्गदर्शन से अभिभूत हैं।

खैरातीखेड़ा व कॉलेज में जागरूकता शिविर आज

हरिभूमि न्यूज ▸▸ फतेहाबाद

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल नरवाल के मार्गदर्शन व दिशा निर्देशानुसार जिला में मतदाता जागरूकता को लेकर अनेक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के अधिकारियों तथा क्षेत्रीय प्रचार अमले के भजन मंडल कलाकारों द्वारा 8 अप्रैल को गांव खैराती खेड़ा व फतेहाबाद के एमएम कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी आत्मा राम कसाना ने बताया कि 25 मई को होने वाले लोकसभा आम चुनाव में पात्र नागरिकों की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी सुनिश्चित करने और शत प्रतिशत मतदान के लिए एडीसी की देखरेख में जिला के विभिन्न शिक्षण संस्थानों, गांवों व कस्बों तथा सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से जिला रेडक्रॉस सोसायटी के वॉलिंटियर, नेहरू युवा केंद्र के स्वयंसेवक, खेल विभाग के प्रशिक्षण, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, पंचायत आदि विभाग जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर नागरिकों को वोट के महत्व बारे जागरूक कर रहे हैं।

शरीर को तंदुरुस्त रखने के लिए जरूरी है पौष्टिक आहार

मैक्स संस्कार स्कूल में बच्चों के स्वस्थ रहने के दिए टिप्स

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भूना

भूना। मैक्स संस्कार इंटरनेशनल स्कूल में स्वास्थ्य शिविर में बच्चों के दांतों की जांच करते डॉ. दीपक बंसल।

विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर मैक्स संस्कार स्कूल में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डॉ. दीपक बंसल ने विद्यार्थियों के दांतों की जांच की और उनकी सुरक्षा के टिप्स दिए। डॉ. बंसल ने बच्चों को स्वच्छता के बारे में बताते हुए कहा कि आप स्वच्छता को अपने दिनचर्या में शामिल करें तो आप स्वस्थ रह सकते हैं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर ही मनुष्य की सबसे बड़ी पूंजी होती है। स्वस्थ होने से तात्पर्य केवल रोग मुक्त जीवन ही नहीं, बल्कि पूरी तरह से फिट होना भी है। सब कुछ होने पर भी यदि मनुष्य के पास स्वास्थ्य नहीं तो समझो उसके पास कुछ नहीं है, इसलिए सफाई और व्यायाम के द्वारा हमें अपने आप को बीमारियों से दूर रखना चाहिए। विद्यालय में एक सेमिनार भी आयोजित किया गया, जिसमें विज्ञान और शारीरिक शिक्षा विभाग के अध्यापकों के द्वारा बच्चों को शारीरिक मानसिक एवं सामाजिक रूप से स्वास्थ्य के रूप में जानकारी दी गई। विज्ञान के अध्यापक ने बताया कि स्वस्थ रहने के लिए हमें सही आहार एवं आवास की स्वच्छता पर ध्यान देने की आवश्यकता है। हमें पौष्टिक आहार लेना चाहिए। जंक फूड से दूर रहना चाहिए। शारीरिक शिक्षा के अध्यापक ने बताया कि हमें संतुलित आहार के साथ-साथ व्यायाम भी करना चाहिए ,जिससे शरीर स्वस्थ रहता है। प्रिंसिपल नीरज अग्रवाल ने बताया कि स्वास्थ्य दिवस मनाने के पीछे उद्देश्य है कि हमारा सबसे बड़ा धन स्वस्थ शरीर है और इस शरीर के प्रति हमें ध्यान रखना चाहिए और हमें संतुलित आहार लेना जरूरी है, क्योंकि स्वस्थ शरीर ही हमारे जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। विद्यालय में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने को लेकर बच्चों ने पोस्टर भी बनाए।